दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K ✌ K
RNI No.61546/95

# क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-120 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) गुरूवार 18 जून 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

## उद्धव ठाकरे को बड़ा झटका, 6 बागी सांसदों ने थामा शिंदे का दामन; लोकसभा स्पीकर को सौंपी चिट्ठी

मुंबई (ए.)। महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर से भारी भूचाल आ गया है। लोकसभा चुनाव के नतीजों के कुछ समय बाद ही उद्धव ठाकरे को अब तक का सबसे बड़ा झटका लगा है। शिवसेना (यूबीटी) के टिकट पर चुनकर आए 9 लोकसभा सांसदों में से 6 ने अचानक उद्धव ठाकरे का साथ छोड़कर अपना अलग गुट बनाने का सनसनीखेज फैसला कर लिया है। इन 6 बागी सांसदों ने सीधे लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को आधिकारिक पत्र लिखकर यह मांग की है कि उन्हें सदन में एक अलग समूह के रूप में मान्यता दी जाए और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की पार्टी में उनका विलय कर दिया जाए।

### प्राइवेट जेट से दिल्ली पहुंचे बागी सांसद

पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे को मझधार में छोड़ने वाले इन 6 सांसदों के नाम भी सामने आ गए हैं। स्पीकर को पत्र सौंपने वाले बागियों में संजय जाधव, संजय देशमुख, नागेश पाटिल अष्टिकर, ओमराजे निंबालकर, भाऊसाहेब वाकचौरे और संजय दीना पाटिल का नाम शामिल है। यह पूरा 'खेला' इतनी खामोशी से हुआ कि किसी को भनक तक नहीं लगी। बुधवार सुबह साढ़े 9 बजे ये सभी 6 सांसद नांदेड़, पुणे और मुंबई से

एक स्पेशल प्राइवेट प्लेन के जरिए गुपचुप तरीके से दिल्ली पहुंचे। इस दौरान उनके साथ एकनाथ शिंदे की शिवसेना के एक सीनियर नेता भी मौजूद थे, जिनकी अगुवाई में स्पीकर को समर्थन का पत्र सौंपा गया।

### उद्धव के पास बचे सिर्फ 3 सांसद, बिखर गया कुनबा

उद्धव कैंप में मची इस भारी उथल-पुथल की तस्वीर उस वक्त बिल्कुल साफ हो गई जब दिल्ली में संजय राउत के आवास पर एक अहम प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई गई। इस बैठक में 9 में से केवल 3 लोकसभा सांसद— अरविंद सावंत, चीफ व्हिप अनिल देसाई और नासिक के सांसद राजाभाऊ ही मौजूद नजर आए। बाकी 6 सांसदों की गैरमौजूदगी ने इस बात पर पक्की मुहर लगा दी कि उद्धव ठाकरे की पार्टी में एक बार फिर से बड़ी टूट हो चुकी है। अपने ही 6 सांसदों के पाला बदलने से अब उद्धव ठाकरे गुट की लोकसभा में ताकत बेहद कमजोर पड़ गई है।

### संजय राउत की बागियों को खुली चुनौती

पार्टी में हुई इस भयंकर बगावत के बाद शिवसेना (यूबीटी) के कद्दावर नेता संजय राउत बुरी तरह से भड़क गए हैं। उन्होंने बागी सांसदों पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि उद्धव ठाकरे ने इन सभी को चुनाव जिताने के लिए दिन-रात एक कर दिया था और पूरी ताकत झोंक दी थी।

राउत ने साफ शब्दों में कहा कि ये सभी सांसद उद्धव ठाकरे के चेहरे और पार्टी के 'मशाल' चुनाव चिह्न पर जीतकर संसद पहुंचे हैं, वे प्रधानमंत्री मोदी के नाम पर नहीं जीते हैं। उन्होंने बागियों को सीधी चेतावनी देते हुए कहा कि अगर पाला बदलना ही है तो हिम्मत दिखाकर पहले सांसद पद से इस्तीफा दें, पार्टी इस तरह की गद्दारी करने वालों को कतई नहीं बख्शेगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस के एवियन में जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन से मुलाकात की।

## राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु पांच दिवसीय मध्यप्रदेश प्रवास पर

### इंदौर, बैतूल, ओंकारेश्वर, जबलपुर, ग्वालियर एवं श्योपुर में विभिन्न कार्यक्रमों में होंगी शामिल

भोपाल (आरएनएस)। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु 18 जून से 22 जून तक पांच दिवसीय मध्यप्रदेश प्रवास पर रहेंगी। इस दौरान वे इंदौर, बैतूल,

खंडवा जिले के श्री ओंकारेश्वर मंदिर, जबलपुर, ग्वालियर और श्योपुर स्थित कूनो नेशनल पार्क में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगी।राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु गुरुवार, 18 जून को इंदौर पहुंचेंगी। इसके पश्चात वे बैतूल में ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा आयोजित एम्पावरमेंट ऑफ ट्रायबल सोसायटी बाय स्पिरिचुअल अवेकनिंग कार्यक्रम में शामिल होंगी। साथ ही श्री ओंकारेश्वर पहुंचकर मंदिर में दर्शन एवं आरती में सम्मिलित होंगी। शुक्रवार, 19 जून को राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु अंतर्राष्ट्रीय सिकल सेल दिवस के अवसर पर ओंकारेश्वर में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगी। शनिवार, 20 जून को राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु जबलपुर पहुंचेंगी। रविवार, 21 जून 2026 को राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में शामिल होंगी। इसके पश्चात रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर के 36वें दीक्षांत समारोह में सहभागिता करेंगी। सोमवार, 22 जून 2026 को राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु कूनो नेशनल पार्क का भ्रमण करेंगी। इसके बाद वे ग्वालियर पहुंचकर नई दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगी।

## मानसून की रफ्तार धीमी, 21 से 23 जून के बीच MP में दस्तक के आसार

### 34 जिलों में बारिश-आंधी का अलर्ट

भोपाल(आरएनएस)। मध्य प्रदेश में मानसून का इंतजार और लंबा हो सकता है। मौसम विभाग के अनुसार दक्षिण-पश्चिम मानसून फिलहाल तेलंगाना के भद्राचलम क्षेत्र में ठहरा हुआ है, जिसके कारण मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में इसकी प्रगति धीमी पड़ गई है। अब प्रदेश में मानसून के 21 से 23 जून के बीच प्रवेश करने की संभावना जताई जा रही है। मानसून में देरी का असर कृषि गतिविधियों पर भी दिखाई देने लगा है। खरीफ फसलों की बोवनी का इंतजार कर रहे किसानों की नजरें अब मानसूनी बारिश पर टिकी हैं। 34 जिलों में बारिश और तेज हवाओं का अलर्ट मौसम विभाग ने ग्वालियर, भिंड, मुरैना, श्योपुर, दतिया, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, अनूपपुर, डिंडौरी, मंडला, बालाघाट, सिवनी, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, बुरहानपुर, खंडवा, सीहोर, देवास, शाजापुर, राजगढ़, आगर-मालवा, उज्जैन, इंदौर, खरगोन, नीमच

और मंदसौर जिलों में आंधी और बारिश की संभावना जताई है। दूसरी ओर भोपाल, विदिशा, रायसेन, सागर, दमोह, जबलपुर, पन्ना, सतना, रीवा, मऊगंज, मैहर, सीधी, सिंगरौली, उमरिया, शहडोल, रतलाम, झाबुआ, अलीराजपुर, धार और बड़वानी समेत कई जिलों में मौसम शुष्क रहने और गर्मी का असर बने रहने की संभावना है।

मंगलवार को भी प्रदेश के कई हिस्सों में प्री-मानसून गतिविधियां जारी रहीं। सीधी जिले में करीब एक इंच वर्षा दर्ज की गई। बैतूल, रीवा और सतना में भी आधा इंच या उससे अधिक बारिश हुई। रायसेन, छिंदवाड़ा, ग्वालियर और सागर समेत कई क्षेत्रों में तेज हवाओं के साथ बारिश का दौर देखने को मिला। बारिश और बादलों के कारण कई जिलों में दिन के तापमान में गिरावट दर्ज की गई। शिवपुरी में अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि पचमढ़ी में 35.4, सिवनी में 36.4 और बैतूल में 36.5 डिग्री दर्ज किया गया। सबसे अधिक तापमान खजुराहो और नौगांव में 42.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। प्रदेश के प्रमुख शहरों में भोपाल का अधिकतमतापमान 37 डिग्री, इंदौर 37.3 डिग्री, उज्जैन 38.5 डिग्री, ग्वालियर 39.5 डिग्री और जबलपुर 40.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

## बदायूं में हाईवे पर रेस लगा रहे ट्रैक्टर-ट्रॉली ने ई-रिक्शा को मारी टक्कर, 6 महिलाओं की मौत

बदायूं (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के बदायूं में बुधवार को भीषण सड़क हादसा हुआ है। यहां बरेली-मथुरा हाईवे पर रेस लगा रहे 2 ट्रैक्टर-ट्रॉली चालकों ने एक ई-रिक्शा को टक्कर मार दी, जिसमें सवार 6 लोगों की मौत हो गई। हादसा दोपहर को उझानी कोतवाली क्षेत्र में जुनुइया गांव स्थित करुआ पुल के समीप हुआ है। हादसे में जान गंवाने वाले सभी 6 मृतक महिलाएं हैं। पुलिस ने 2 घायलों को जिला अस्पताल भिजवाया है। दोनों ट्रैक्टर चालक फरार हो गए हैं।

मुरावन नगला निवासी 7 लोग ई-रिक्शा से गढ़ौना गांव जा रहे थे, तभी करुआ पुल के पास 2 ट्रैक्टर-ट्रॉली चालकों ने ई-रिक्शा को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि रिक्शा के परखच्चे उड़ गए। किसी तरह सभी को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां रिक्शा चालक सनी (32), डाल सिंह (58) घायल अवस्था में भर्ती हैं। राजकुमारी (55) पत्नी डालसिंह, गंगा (32), रेवती (80), प्रेम देवी (45), नारायणी देवी (32) और आरती को मृत घोषित किया गया है।

## जयराम रमेश का केंद्र सरकार पर निशाना, बोले- विपक्ष को कमजोर करने के लिए चलाया जा रहा सुनियोजित अभियान

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बुधवार को केंद्र सरकार और केंद्रीय गृह मंत्री पर तीखा हमला बोलते हुए गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि विपक्ष को कमजोर करने और भारतीय लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाने के लिए सुनियोजित राजनीतिक अभियान चलाया जा रहा है। जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा, केंद्रीय गृह मंत्री लगातार विपक्षी दलों को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यह सब उस राजनीतिक झटके की भरपाई करने के लिए किया जा रहा है, जिसका सामना उन्हें 17 अप्रैल 2026 को लोकसभा में करना पड़ा था, जब कथित तौर पर परिसीमन विधेयक को पारित कराने में सफलता नहीं मिली थी। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि हाल के दिनों में विभिन्न विपक्षी दलों के कुछ नेता और

जनप्रतिनिधि भारतीय जनता पार्टी की ओर आकर्षित हो रहे हैं, जबकि उनमें से कई केवल दो वर्ष पहले भाजपा-विरोधी एजेंडे के आधार पर जनता द्वारा चुने गए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे राजनीतिक घटनाक्रमों के पीछे बड़े स्तर पर प्रलोभन और दबाव की राजनीति काम कर रही है।

जयराम रमेश ने कहा कि सत्ता पक्ष द्वारा चलाया जा रहा अभियान पूरी तरह योजनाबद्ध और संसाधनों से संपन्न है। उन्होंने इसकी तुलना म्यूचुअल फंड उद्योग से करते हुए कहा कि जिस तरह निवेशकों की जरूरतों के अनुसार अलग-अलग योजनाएं और उत्पाद उपलब्ध कराए जाते हैं, उसी प्रकार राजनीतिक लाभ हासिल करने के लिए अलग-अलग तरह के प्रलोभनों और रणनीतियों का इस्तेमाल किया जा रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि इस प्रक्रिया में राजनीतिक नैतिकता की लगातार अनदेखी हो रही है। कांग्रेस नेता के अनुसार, लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करने वाली ऐसी राजनीति अंततः देश के लोकतांत्रिक ढांचे के लिए नुकसानदायक साबित हो सकती है।

## नक्सलियों के छिपाए हथियारों का जखीरा बरामद, बीएसएफ को बड़ी सफलता

नारायणपुर(आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले के मसपुर-गुडरापाल जंगल क्षेत्र में चलाए गए सर्च अभियान के दौरान सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता हाथ लगी है। बीएसएफ की 133वीं वाहिनी ने जंगल में छिपाकर रखे गए हथियारों, गोला-बारूद और अन्य सामग्रियों का डंप बरामद किया है।जानकारी के अनुसार 16 जून को बीएसएफ की 133वीं वाहिनी की 'ई' कंपनी द्वारा कैंप मसपुर से आसपास के वन क्षेत्रों में विशेष सर्च अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान जवानों को जंगल के भीतर एक संदिग्ध स्थान दिखाई दिया।

## अमेरिका का दोहरा झटका; कश्मीर को पाकिस्तान का हिस्सा बताया, पैसिफिक कमान से इंडो को हटाया

नईदिल्ली(आरएनएस)। अमेरिका ने फ्रांस में जी-7 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुलाकात के बीच दोहरा झटका दिया है। अमेरिकी युद्ध विभाग ने यूएस इंडो-पैसिफिक कमान (यूएसइंडोपाकॉम) को उसके आधिकारिक तौर पर अपने मूल नाम यूएस पैसिफिक कमान (यूएसपीएकॉम) करने की घोषणा की है। इसके अलावा, कमान ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपने परिचालन क्षेत्र के संबंध में आधिकारिक वेबसाइट पर भारत का गलत नक्शा प्रदर्शित किया है, जिसमें कश्मीर को पाकिस्तान का हिस्सा दिखाया गया है।

कमान ने एक्स पर नया लोगो साझा कर लिखा कि युद्ध विभाग ने यूएस पैसिफिक कमान का नाम फिर से बहाल कर यूएस पैसिफिक कमान किया है। कमान ने बताया कि नाम बदलने के बाद भी यूएसपीएकॉम की जिम्मेदारी अमेरिका के पश्चिमी तट के समुद्री इलाकों से लेकर भारत की पश्चिमी सीमा तक बिल्कुल वैसी ही रहेगी। कमान का मूल मिशन और क्षेत्रीय सहयोगियों-साझेदारों के साथ मिलकर स्वतंत्र और खुला क्षेत्र बनाए रखने की प्रतिबद्धता में कोई बदलाव नहीं है।

## नीट परीक्षा से 72 घंटे पहले साजिश के तहत राहुल गांधी छात्रों में फैला रहे भ्रम और तनावः सुधांशु त्रिवेदी

नई दिल्ली (आरएनएस)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के कोटा में प्रस्तावित छात्र प्रदर्शन को लेकर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कांग्रेस पर हमला बोला है। उन्होंने राहुल गांधी पर नीट परीक्षा से पहले छात्रों के बीच भ्रम और तनाव पैदा करने का आरोप लगाया है। भाजपा मुख्यालय में मीडिया से बातचीत करते हुए सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, सिर्फ 3 दिन बाद फिर से नीट की परीक्षा होगी। एक तरफ सारे छात्र परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं। सरकार ने पूरी सतर्कता के साथ इस प्रक्रिया को व्यवस्थित रूप से संपन्न करने के लिए कमर कसी है। जहां सरकार संवेदनशीलता से काम कर रही है, वहीं कांग्रेस पार्टी और नेता विपक्ष राहुल गांधी कुटिलता का प्रयोग करते दिखाई पड़ रहे हैं। मैं पूछना चाहता हूं कि परीक्षा से पहले अंतिम 72 घंटे, जिस समय छात्र तनावमुक्त होकर तैयारी करना चाहता है, उस समय आप इस प्रकार का आयोजन करके उनके मन में भय, तनाव और उत्तेजना उत्पन्न करके मानसिक यातना क्यों देना चाह रहे हैं?

## मैसूर के अस्पताल में 11 मरीजों की मौत, लापरवाही का आरोप, मेडिकल सुपरिटेंडेंट ने दी सफाई

मैसूर (कर्नाटक) (आरएनएस)। शहर के एक अस्पातल में 24 घंटे में 11 मरीजों की मौत के बाद डॉक्टरों पर लापरवाही के आरोप लगे हैं. मामला मैसूर शहर के मेटागहल्ली स्थित जयदेव अस्पताल का है. 24 घंटे में 11 मरीजों की मौत के संबंध में एक वीडियो प्रसारित होने के बाद अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सदानंद ने स्पष्टीकरण दिया और आरोपों को खारिज कर दिया.मैसूर के जयदेवा अस्पताल में मंगलवार सुबह 8 बजे से बुधवार सुबह 8 बजे तक भर्ती 11 लोगों की मौत के बारे में मरीजों के रिश्तेदारों ने एक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर प्रसारित कर दिया था. वीडियो में उन्होंने डॉक्टरों और हॉस्पिटल की व्यवस्था ठीक न होने का आरोप लगाया था. कुछ घंटों में यह वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा में आ गया.बाद में अस्पताल के मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. सदानंद ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, अस्पताल में कोई लापरवाही या डॉक्टरों की कमी नहीं थी. हमारा अस्पताल एक टर्शियरी केयर रेफरल हॉस्पिटल है और मैसूर समेत आस-पास के पांच जिलों से दिल से जुड़ी गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को यहां भर्ती किया जाता है. आम मामलों का इलाज स्थानीय अस्पतालों में किया जाता है।

## सुप्रीम कोर्ट ने यूएपीए के दो आरोपियों की जमानत याचिका पर दिल्ली पुलिस से जवाब मांगा, 2014 से जेल में हैं बंद

नई दिल्ली,(आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को दिल्ली पुलिस से इंडियन मुजाहिदीन के दो कथित सदस्यों की जमानत याचिका पर जवाब मांगा जो 12 साल से ज्यादा वक्त जेल में बिता चुके हैं. यह मामला दिल्ली में एक कथित गैर-कानूनी हथियार और गोला-बारूद फैक्ट्री से संबंधित एक आतंकी साजिश से जुड़ा है.यह मामला जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आया. सुप्रीम कोर्ट ने मोहम्मद साकिब अंसारी और वकार अजहर की याचिकाओं पर नोटिस जारी किया. याचिकाकर्ताओं की तरफ से वकील दीक्षा द्विवेदी, पारस नाथ सिंह और फहद खान ने पैरवी की.सुनवाई के दौरान, दिल्ली पुलिस के वकील ने कहा कि हाई कोर्ट ने जमानत देने से मना करते हुए एक सोच-समझकर आदेश दिया था और गुलफिशा फातिमा फैसले में बताए गए सिद्धांतों को लागू किया था. लेकिन, सुप्रीम कोर्ट इस बात से सहमत नहीं दिखा. पीठ ने पूछा, क्या वजह है? जिस फैसले की बात हो रही है, वह संदर्भ के लिए लंबित है.पीठ ने मौखिक रूप से कहा कि के.ए. नजीब निर्णय (2021), (जिसमें कहा गया था कि ट्रायल में देरी यूएपीए मामलों में जमानत देने का एक वैध आधार है) यहां पूरी ताकत से लागू होगा, बशर्ते कि गुलफिशा मामले (उमर खालिद का मामला) में इसकी व्याख्या कैसे की गई हो. पीठ ने वकील से कहा कि उन्हें एक जवाबी हलफनामा दायर करना होगा.गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत दर्ज मामलों में जमानत से जुड़े कानूनी सिद्धांत पर अभी सुप्रीम कोर्ट की बड़ी पीठ विचार कर रही है.याचिकाकर्ताओं को 2014 में गिरफ्तार किया गया था और बाद में 2021 में राजस्थान में अलग-अलग केस में उन्हें देश के खिलाफ जंग छेड़ने और यूएपीए और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत उल्लंघन के लिए दोषी ठहराया गया था. अप्रैल 2026 में, दिल्ली हाई कोर्ट ने राष्ट्रीय राजधानी में आतंकी हमले की साजिश में कथित तौर पर शामिल दोनों आरोपियों को जमानत देने से मना कर दिया था।

# डोंगला से गुजरने वाला नया फोरलेन लिखेगा महिदपुर की नई तकदीर : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

## महिदपुर को मिला सामाकोटा बैराज और 13 उप स्वास्थ्य केंद्रों के नए भवन

## मुख्यमंत्री ने महिदपुर में 207.57 करोड़ की लागत के 19 विकास कार्यों का किया लोकार्पण

भोपाल, (आरएनएस.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि उज्जैन सहित आसपास के क्षेत्र को मोक्षदायिनी मां क्षिप्रा जी का आशीर्वाद प्राप्त है। क्षिप्रा इस क्षेत्र के किसानों को अन्न पैदा करने के लिए पर्याप्त जल उपलब्ध कराती है। महिदपुर भाग्यशाली है कि क्षिप्रा नदी पर बने लगभग सभी बांध और जलाशय महिदपुर में ही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ 2028 के भव्य आयोजन के लिए इन दिनों उज्जैन और इसके आसपास हजारों करोड़ रुपये के विकास कार्य जारी हैं। डोंगला से गुजरने वाला नया फोरलेन महिदपुर की नई तकदीर लिखेगा। महिदपुर शहर ट्रांसपोर्टेशन सेक्टर में भी अपनी अलग पहचान रखता है, इसमें भी और गति आएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को उज्जैन जिले की महिदपुर विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने सिंगल क्लिक से कुल 207 करोड़ 57 लाख रुपए की लागत वाले 19 विकास कार्यों का लोकार्पण किया। इसमें करीब 188 करोड़ 42 लाख रुपए की लागत के सामाकोटा बैराज के लोकार्पण सहित क्षेत्र के 13 उप-स्वास्थ्य केंद्र के नए भवनों, महाविद्यालय एवं स्कूलों के नवीन भवनों तथा नवीन विद्युत उपकेंद्र का लोकार्पण भी शामिल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सामाकोटा बैराज उज्जैन जिले में जल संरक्षण को नई ऊर्जा देगा। इससे भू-जल स्तर में सुधार होगा, जिससे हमारे अन्नदाता किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त जल और खेतों को नई संजीवनी मिलेगी। इतना ही नहीं, पानी की एक-एक बूंद को सहेजने का यह भागीरथ प्रयास आने वाले सिंहस्थ और उज्जैन के भविष्य के लिए मजबूत कवच बनेगा।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महिदपुर की मावा-बाटी और महिदपुर की गुलाटी दोनों प्रसिद्ध है। यहां आने का अलग ही आनंद है। भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की दोस्ती का स्थान महिदपुर में है। समय गणना में भी यहां के डोंगला का योगदान अतुलनीय है। राजा जयसिंह ने 300 साल पहले उज्जैन, बनारस, जयपुर, मथुरा और दिल्ली में वैधशालाओं (जंतर-मंतर) का निर्माण कराया। सम्राट विक्रमादित्य और आर्यभट्ट की विरासत को आगे बढ़ाते हुए राज्य सरकार ने डोंगला में आधुनिक ऑब्जर्वेटरी बनवाई है। दुनिया अपनी घड़ी में डोंगला से स्टैंडर्ड टाइम तय करे, इसके लिए प्रयास किए जा रहे हैं।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री  नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में विश्व में भारत ने अपनी अलग छवि बनाई है। श्री मोदी देश में सबसे लंबे समय तक सरकार चलाने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने देशवासियों को नि:शुल्क आवास, गरीबों को रसोई गैस और 5 लाख तक के निःशुल्क इलाज की बड़ी सौगातें दी हैं। राज्य सरकार ने भी नवाचार करते हुए एयर एंबुलेंस की शुरुआत की है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के भूतपूर्व मुख्यमंत्री स्व. कैलाश नाथ काटजू की जयंती पर विधानसभा के सेंट्रल हॉल में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

### जब्त हुई 20 कारें-ट्रैवल एजेंसियों से किराये पर लेकर बेच दी थीं

भोपाल(आरएनएस) ।अरेरा हिल्स थाना पुलिस ने बुधवार को ट्रैवल्स एजेंसियों के साथ मिलकर करोड़ों रुपए की गाड़ियों की धोखाधड़ी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है ।पुलिस ने गिरोह के 6 सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 20 कारें बरामद की हैं। जिनकी कीमत करीब 3 करोड़ रुपए बताई जा रही है। आरोपियों ने किराये पर ली गई गाड़ियों को अपना बताकर फर्जी तरीके से बेच दिया था ।पुलिस के मुताबिक 13 जून को विदिशा जिले के रहने वाले गौरव कुशवाह ने शिकायत की थी। उन्होंने बताया कि वे वर्तमान में भोपाल में रहते हैं। एक व्यक्ति शैलेष जोशी ने उनकी कार किराये पर ली थी। जिसे बाद में बिना अनुमति बेच दिया गया ।शिकायत के आधार पर अरेरा हिल्स थाने में धारा 316(2) बीएनएस के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस टीम ने आरोपी शैलेष जोशी को अयोध्या बायपास क्षेत्र से पकड़ा। पूछताछ में आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर कारों को किराये पर लेने और बाद में बेचने की बात कबूल की ।पुलिस के अनुसार आरोपी ट्रेवल्स संचालकों और वाहन मालिकों को गाड़ी किराये पर चलाने का भरोसा दिलाकर लेते थे। इसके बाद खुद को वाहन मालिक बताकर लोगों से विक्रय अनुबंध तैयार कर गाड़ियां बेच देते थे ।आरोपियों की निशानदेही पर सीहोर और अन्य स्थानों से 20 कारें बरामद की गईं। पुलिस ने इस मामले में धोखाधड़ी, आपराधिक षड्यंत्र और आपराधिक न्यास भंग की धाराएं भी बढ़ाई हैं।

### तेंदूपत्ता संग्रह राशि पर आदिवासियों का पहला हक, लाभांश का अन्य मदों में उपयोग न हो: अजय सिंह

भोपाल,(ए) । मध्य प्रदेश विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष और वरिष्ठ कांग्रेस नेता अजय सिंह ने तेंदूपत्ता संग्राहकों को मिलने वाले लाभांश की राशि को अन्य कार्यों में खर्च किए जाने के प्रस्ताव का विरोध करते हुए इसे आदिवासी हितों के विरुद्ध बताया है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर मामले में तत्काल हस्तक्षेप करने और प्रस्तावित राशि हस्तांतरण पर रोक लगाने की मांग की है ।अजय सिंह ने बुधवार को जारी अपने बयान में कहा कि प्रधान मुख्य वन संरक्षक

(वन्यजीव) द्वारा अभयारण्यों में तालाब निर्माण के लिए लघु वनोपज संघ से लगभग 20 करोड़ रुपये उपलब्ध कराने का प्रस्ताव रखा गया है। उनके अनुसार यह कदम लाभांश वितरण से संबंधित नियमों और उसके मूल उद्देश्य के विपरीत है। उन्होंने कहा कि लघु वनोपज सहकारी संघ द्वारा अर्जित शुद्ध लाभ का उपयोग निर्धारित प्रावधानों के तहत वनोपज संग्राहकों के सामाजिक कल्याण, वनों के पुनरुत्पादन तथा बुनियादी ढांचे के विकास के लिए किया जाना चाहिए। नियमों के अनुसार लाभांश का 75 प्रतिशत हिस्सा तेंदूपत्ता संग्राहकों और आदिवासी हितग्राहियों को बोनस के रूप में वितरित किया जाता है, जबकि शेष राशि सामुदायिक कल्याण और वन विकास संबंधी कार्यों पर खर्च की जाती है।

### नटराजन के मुद्दे पर कांग्रेस सख्त- पुतला दहन नहीं करने वाले 22 जिलाध्यक्षों को नोटिस, 3 दिन में मांगा जवाब

भोपाल, (आरएनएस.)।राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त किए जाने के विरोध में आयोजित पुतला दहन कार्यक्रम में हिस्सा नहीं लेने पर एनएसयूआई ने 22 जिलाध्यक्षों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। संगठन ने तीन दिन के भीतर जवाब मांगा है, अन्यथा अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी है।राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस की अधिकृत प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त किए जाने के बाद कांग्रेस और उसके सहयोगी संगठनों में नाराजगी लगातार बढ़ती जा रही है। अब इस मुद्दे पर संगठनात्मक अनुशासन को लेकर भी सख्ती शुरू हो गई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देश पर 16 जून को प्रदेशभर में जिला स्तर पर पुतला दहन कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम का उद्देश्य मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त किए जाने के खिलाफ विरोध दर्ज कराना था।

## डोडा चूरा के साथ दो युवक गिरफ्तार

भोपाल(आरएनएस)। मिसरोद थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफबड़ी कार्रवाई करते हुए दो युवकों को 26.599 किलो डोडा चूरा के साथ गिरफ्तार किया है। जब्त किए गए मादक पदार्थ की अनुमानित कीमत करीब 1.25 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफएनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उनसे पूछताछ शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार 16 जून की देर रात मुखबिर से सूचना मिली थी कि आकृति एक्का सिटी के पास दो युवक बैग में बड़ी मात्रा में डोडा चूरा लेकर खड़े हैं और उसे कहीं ले जाने की तैयारी में हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और दोनों संदिग्धों को पकड़ लिया।पूछताछ में आरोपियों की पहचान मोहित कीर (24) निवासी ग्राम घाटपिपलिया, थाना सुल्तानपुर, जिला रायसेन और आर्यन कीर (19) निवासी ग्राम घाटपिपलिया, जिला रायसेन के रूप में हुई। तलाशी के दौरान उनके बैग से कुल 26.599 किलो डोडा चूरा बरामद किया गया। पुलिस ने मादक पदार्थ जब्त कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में थाना मिसरोद में अपराध क्रमांक 352/2026 के तहत धारा 8/15 एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज किया गया है।प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी डोडा चूरा के संबंध में संतोषजनक जानकारी नहीं दे सके हैं।

### 19 जून को राहुल गांधी के बर्थडे पर पीसीसी में लगेगा हेल्थ कैंप

भोपाल(आरएनएस) ।कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी के जन्मदिन के अवसर पर आगामी 19 जून को भोपाल स्थित प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया जाएगा।मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देश पर कांग्रेस चिकित्सा प्रकोष्ठ ने शिविर की रूपरेखा तैयार की है। शिविर का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के स्वास्थ्य, विशेषकर हृदय संबंधी जांचों को प्राथमिकता देना है।

### भोपाल में महाराणा प्रताप जयंती पर निकली भव्य शोभायात्रा, 50 से अधिक लोगों ने किया रक्तदान

**प्रतिभावान विद्यार्थियों, युवाओं और दिव्यांगजनों का सम्मान, समाज की एकजुटता का दिखा संदेश**

भोपाल, (ए.)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में वीरता, त्याग और स्वाभिमान के प्रतीक महाराणा प्रताप की 486वीं जयंती पर बुधवार को शहर में भव्य आयोजन किया गया। जय मेवाड़ राजपूत समाज और  प्रताप सोशल वेलफेयर फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित मेवाड़ गौरव वीर शिरोमणि समारोह के तहत शिवाजी महाराज चौराहे से महाराणा प्रताप चौराहे तक विशाल शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में समाज के युवा, बुजुर्ग, मातृशक्ति सहित बड़ी संख्या में नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।शोभायात्रा के पश्चात रक्तदान शिविर, प्रतिभा सम्मान समारोह और दिव्यांग सम्मान कार्यक्रम आयोजित किए गए। रक्तदान शिविर में 50 से अधिक युवाओं ने स्वेच्छा से रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया। आयोजन समिति द्वारा सभी रक्तदाताओं का सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के युवा कल्याण एवं खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग शामिल हुए। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप केवल वीरता के प्रतीक नहीं थे, बल्कि सामाजिक समरसता, संवेदनशीलता और स्वाभिमान के भी प्रेरणास्रोत हैं।

### स्पीड पोस्ट की 'स्पीड' पर सवाल:3 दिन की जगह 7 दिन लगे, उपभोक्ता आयोग ने डाक विभाग को माना दोषी

भोपाल (ए)। आमतौर पर भरोसे और तेजी के लिए पहचानी जाने वाली स्पीड पोस्ट सेवा इस बार खुद ही सवालों के घेरे में आ गई। एक साधारण सा पार्सल, जिसमें घर का स्नेह और स्वाद दोनों शामिल थे, समय पर नहीं पहुंचा तो मामला उपभोक्ता आयोग तक जा पहुंचा।आयोग ने हाल ही में इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए डाक विभाग को फटकार लगाई और मुआवजा देने का आदेश सुनाया। यह फैसला बेंच क्रमांक-1 (जिला उपभोक्ता आयोग, भोपाल के अध्यक्ष योगेश दत्त शुक्ला और सदस्य डॉ. प्रतिभा पांडेय ने सुनाया है।

**घर का स्वाद और श्रद्धा भेजी थी पार्सल में**

भोपाल की ज्योति शर्मा ने 12 जनवरी 2026 को स्पीड पोस्ट के जरिए एक पार्सल भेजा था। इस पार्सल में धार्मिक पुस्तक (श्रीमद्भगवद्गीता), शुद्ध घी से बनी मिठाइयां और कपड़े रखे गए थे। यह पार्सल भोपाल के अरेरा हिल्स उप डाकघर से बुक किया था और इसे सुरक्षित व जल्द पहुंचाने के लिए उन्होंने 1228 रुपए का शुल्क भी चुकाया।

**एक पार्सल 3 दिन में, दूसरा 7 दिन में, यहीं से शुरू हुआ विवाद**

दिलचस्प बात यह है कि ज्योति शर्मा ने उसी दिन एक और स्पीड पोस्ट भेजा था, जो महज 3 दिन में 15 जनवरी को अपने गंतव्य तक पहुंच गया। लेकिन, दूसरा पार्सल 19 जनवरी को पहुंचा, यानी पूरे 7 दिन की देरी के साथ। यही देरी आगे चलकर कानूनी लड़ाई की वजह बनी।दस्तावेजों के अनुसार पार्सल भोपाल से ही एक अन्य स्थान स्थानीय पर भेजा गया था, जहां सामान्यत: स्पीड पोस्ट 2-3 दिनों में पहुंच जाती है। यानी दूरी कोई बड़ी बाधा नहीं थी, फिर भी देरी होना विभागीय लापरवाही की ओर इशारा करता है। मामले की सुनवाई के दौरान डाक विभाग यह स्पष्ट नहीं कर सका कि आखिर पार्सल पहुंचाने में 7 दिन क्यों लग गए। आयोग ने कहा कि सिर्फ डिलीवर हो गया कहना पर्याप्त नहीं है, जब तक देरी का ठोस कारण न बताया जाए।उपभोक्ता आयोग ने अपने फैसले में कहा कि जब उपभोक्ता अतिरिक्त शुल्क देकर स्पीड पोस्ट जैसी प्रीमियम सेवा चुनता है, तो समयबद्ध डिलीवरी उसकी अपेक्षा ही नहीं, अधिकार भी है। बिना किसी उचित कारण के देरी करना सीधे-सीधे 'सेवा में कमी' की श्रेणी में आता है।आयोग ने निर्देश दिया कि 5,000 रुपए मानसिक व आर्थिक क्षति के लिए दें।3,000 रुपए वाद व्यय के रूप में चुकाए। दो माह के भीतर भुगतान करे। समय पर भुगतान न करने पर 9% वार्षिक ब्याज भी देना होगा।

## 29 IAS अधिकारियों का तबादला, भोपाल और रीवा के कमिश्नर बदले

भोपाल (ए.)। मध्य प्रदेश सरकार ने प्रशासनिक व्यवस्था में एक बड़ा फेरबदल करते हुए भारतीय प्रशासनिक सेवा (भाप्रसे) के 29 वरिष्ठ अधिकारियों के तबादला आदेश जारी किए हैं। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी इस सूची में भोपाल और रीवा संभाग के कमिश्नरों को बदलने के साथ-साथ कई महत्वपूर्ण विभागों के प्रमुख सचिवों, सचिवों और निदेशकों के प्रभार में भी बदलाव किया गया है।

**भोपाल और रीवा संभाग को मिले नए कमिश्नर**

आदेश के मुताबिक, भोपाल संभाग के वर्तमान कमिश्नर संजीव सिंह (2005) को अब सचिव, खेल एवं युवा कल्याण विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनकी जगह कर्मवीर शर्मा (2010), जो वर्तमान में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के आयुक्त व सचिव थे, उन्हें भोपाल संभाग का नया कमिश्नर नियुक्त किया गया है। वहीं, रीवा संभाग के कमिश्नर बाबू सिंह जामोद (2006) को भोपाल मंत्रालय में नगरीय विकास एवं आवास विभाग का सचिव बनाया गया है । उनकी जगह अब शीलेन्द्र सिंह (2010) रीवा संभाग के नए कमिश्नर होंगे ।

**इन वरिष्ठ अधिकारियों के विभागों में हुआ बदलाव**

मुकेश चन्द गुप्ता (1998): सचिव, मानव अधिकार आयोग से अब प्रमुख सचिव, जेल विभाग बनाए गए हैं।

डॉ. ई. रमेश कुमार (1999): प्रमुख सचिव, अनुसूचित जाति कल्याण विभाग से अब प्रमुख सचिव, राजस्व विभाग तथा राहत एवं पुनर्वास आयुक्त नियुक्त किए गए हैं। विवेक कुमार पोरवाल

(2000): प्रमुख सचिव, राजस्व विभाग से अब प्रमुख सचिव, खनिज साधन विभाग की जिम्मेदारी संभालेंगे।दीपक सिंह (2007): आयुक्त-सह-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं से अब मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव बनाए गए हैं। अमित तोमर (2009): पंजीयन महानिरीक्षक से अब प्रबंध संचालक, ऊर्जा विकास निगम तथा आयुक्त, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा का अतिरिक्त प्रभार संभालेंगे।

**अपर मुख्य सचिवों को सौंपे गए अतिरिक्त प्रभार**

तबादला सूची के साथ ही शासन ने कई वरिष्ठ अधिकारियों को अतिरिक्त जिम्मेदारियां भी सौंपी हैं:

के.सी. गुप्ता (1992): अपर मुख्य सचिव, कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग को अपने वर्तमान कर्तव्यों के साथ-साथ कृषि उत्पादन आयुक्त (APC) का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। अनिरूद्ध मुकर्जी (1993): अध्यक्ष, राजस्व मण्डल ग्वालियर को पर्यावरण आयुक्त तथा महानिदेशक, एप्को का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।गुलशन बामरा (1997): प्रमुख सचिव, जनजातीय कार्य विभाग को प्रमुख सचिव, अनुसूचित जाति कल्याण विभाग का अतिरिक्त कार्यभार दिया गया है। सोनिया मीना (2013): अपर सचिव, वित्त विभाग को आयुक्त-सह-संचालक, संस्थागत वित्त का अतिरिक्त प्रभार मिला है।

इसके साथ ही, नई नियुक्तियों के बाद अपर मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल और मनु वास्तव सहित वरिष्ठ अधिकारी मनीष सिंह और अरविन्द कुमार दुबे कुछ अतिरिक्त प्रभारों से मुक्त होंगे।

**ये अधिकारी भी बदले गए**

मंत्रालय द्वारा जारी सूची में कई अन्य जिलों और विभागों के अपर सचिव, उप सचिव और निदेशकों के स्तर पर भी बदलाव हुए हैं: नेहा मारव्या सिंह (2011) को उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण का आयुक्त-सह-संचालक बनाया गया है। मनोज पुष्प (2011) को लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण का संचालक नियुक्त किया गया है। रोहित सिंह (2012) अब बजट संचालक की जिम्मेदारी संभालेंगे। हर्षिका सिंह (2012) को अपर सचिव, स्कूल शिक्षा विभाग बनाया गया है। भारती जाटव ओगरे (2012) को कोष एवं लेखा का आयुक्त नियुक्त किया गया है।

**आदेश की आधिकारिक पुष्टि**

यह बड़ा प्रशासनिक आदेश राज्य के राज्यपाल के नाम से मुख्य सचिव अनुराग जैन द्वारा जारी किया गया है , जिसकी प्रतिलिपियाँ भारत सरकार के कार्मिक विभाग सहित राज्य के सभी संबंधित विभागों और कोषालयों को आवश्यक कार्रवाई के लिए भेज दी गई हैं।

### भोपाल में जब्त हुई 3 करोड़ की 20 कारें

**ट्रैवल एजेंसियों से किराये पर लेकर बेच दी थीं, 6 आरोपियों को पुलिस ने पकड़ा**

भोपाल (आरएनएस)। भोपाल की अरेरा हिल्स थाना पुलिस ने बुधवार को ट्रैवल्स एजेंसियों के साथ मिलकर करोड़ों रुपए की गाड़ियों की धोखाधड़ी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है।

पुलिस ने गिरोह के 6 सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 20 कारें बरामद की हैं। जिनकी कीमत करीब 3 करोड़ रुपए बताई जा रही है। आरोपियों ने किराये पर ली गई गाड़ियों को अपना बताकर फर्जी तरीके से बेच दिया था।पुलिस के मुताबिक 13 जून को विदिशा जिले के रहने वाले गौरव कुशवाह ने शिकायत की थी। उन्होंने बताया कि वे वर्तमान में भोपाल में रहते हैं। एक व्यक्ति शैलेष जोशी ने उनकी कार किराये पर ली थी। जिसे बाद में बिना अनुमति बेच दिया गया।शिकायत के आधार पर अरेरा हिल्स थाने में धारा 316(2) बीएनएस के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस टीम ने आरोपी शैलेष जोशी को अयोध्या बायपास क्षेत्र से पकड़ा। पूछताछ में आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर कारों को किराये पर लेने और बाद में बेचने की बात कबूल की। पुलिस के अनुसार आरोपी ट्रेवल्स संचालकों और वाहन मालिकों को गाड़ी किराये पर चलाने का भरोसा दिलाकर लेते थे।

## मध्यप्रदेश टाइगर फाउंडेशन और डब्ल्यूसीएल के बीच हुए महत्वपूर्ण एमओयू

### सतपुड़ा और पेंच टाइगर रिजर्व में वन संरक्षण एवं आवास प्रबंधन कार्यों को मिलेगा बढ़ावा

भोपाल (आरएनएस)। वन्यजीव संरक्षण और पारिस्थितिकी संतुलन को बढ़ावा देने की दिशा में मध्यप्रदेश टाइगर फाउंडेशन और वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (डब्ल्यूसीएल) के बीच 2 महत्वपूर्ण एमओयू हुए हैं। इनका उद्देश्य नर्मदापुरम स्थित सतपुड़ा टाइगर रिजर्व तथा सिवनी स्थित पेंच टाइगर रिजर्व में पर्यावरण एवं वन्यजीव संरक्षण को समर्थन प्रदान करना है।समझौतों के अंतर्गत सतपुड़ा एवं पेंच टाइगर रिजर्व में वन्यजीव संरक्षण और आवास प्रबंधन को सुदृढ़ बनाने के लिए विभिन्न कार्य किए जाएंगे। इनमें वॉच टावरों का निर्माण, वन गश्ती अवसंरचना का सुदृढ़ीकरण, सौर ऊर्जा आधारित जल प्रणालियों की स्थापना, आक्रामक वनस्पति प्रजातियों का उन्मूलन तथा देशज घास भूमियों का पुनर्स्थापन शामिल है। ये समझौते दोनों टाइगर रिजर्व में जैव विविधता संरक्षण और पारिस्थितिकी संतुलन की स्थितियां बेहतर करने सहायक होंगे।इस अवसर पर डब्ल्यूसीएल प्रबंधन ने पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। कंपनी अपनी सीएसआर के माध्यम से जैव विविधता संरक्षण तथा भारत की समृद्ध प्राकृतिक धरोहर के संरक्षण में निरंतर सार्थक योगदान दे रही है। डब्ल्यूसीएल के प्रतिनिधियों ने कहा कि अपने अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक तथा कार्यात्मक निदेशकों के दूरदर्शी नेतृत्व में कंपनी सस्टेनेबल डेवलपमेंट को बढ़ावा देने के साथ पर्यावरण एवं समुदाय-केंद्रित प्रभावी पहलों को समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध है। इससे उसके परिचालन क्षेत्रों में संरक्षण और विकास के बीच संतुलन स्थापित करने में मदद मिलेगी।कार्यक्रम में पेंच टाइगर रिजर्व के क्षेत्र संचालक देवा प्रसाद, सतपुड़ा टाइगर रिजर्व की क्षेत्र संचालक सुश्री राखी नंदा सहित डब्ल्यूसीएल एवं वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, डब्ल्यूसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक एच.एस. पांडे, डब्ल्यूसीएल के बिक्रम घोष (निदेशक, वित्त/मानव संसाधन), आनंदजी प्रसाद (निदेशक, तकनीकी/संचालन) और संदीप परांजपे (निदेशक, परियोजना एवं नियोजन) उपस्थित रहे।

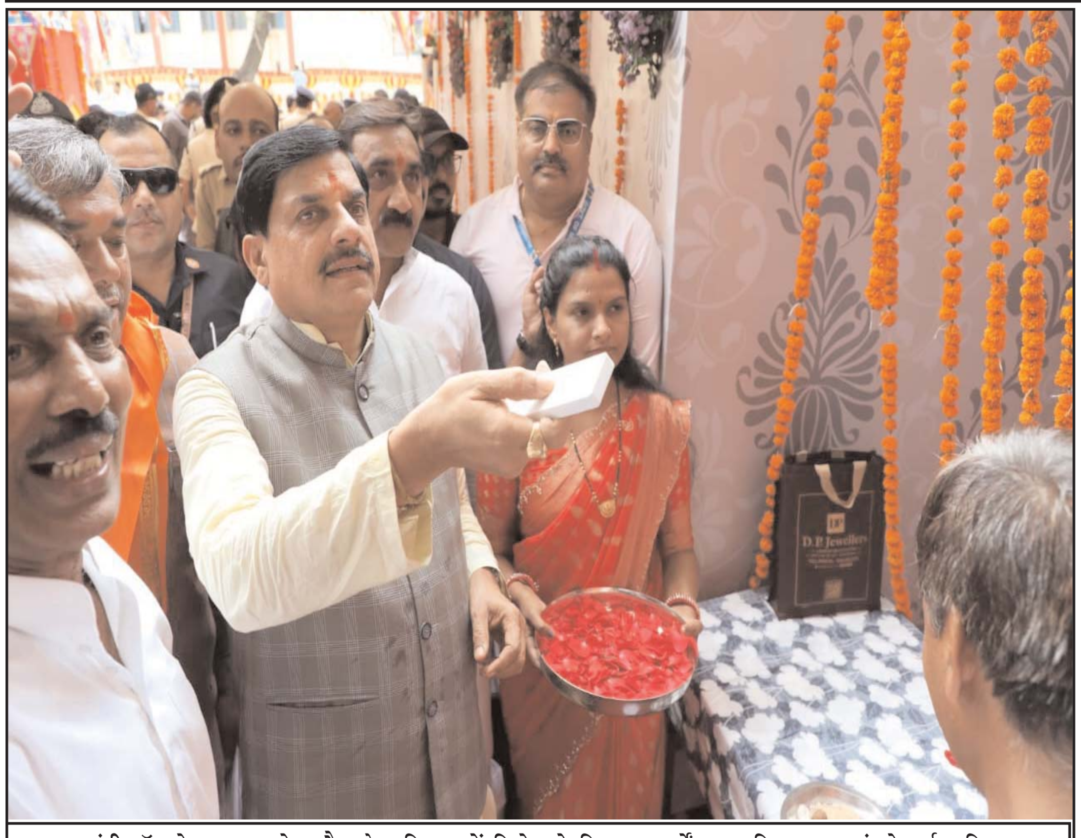

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन के महिदपुर में रिमोट से विकास कार्यों का भूमि–पूजन एवं लोकार्पण किया।

## स्व-सहायता समूह की महिलाओं को डेयरी एवं जैविक कृषि फार्म का कराया गया भ्रमण

कटनी(ए.)। कटनी (16 जून) मध्य प्रदेश शासन के ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण रोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) कटनी द्वारा स्व–सहायता समूह की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। इसी क्रम में विकासखंड रीठी के ग्राम पंचायत भवन परौहापिपरिया में 35 महिलाओं को 13 दिवसीय कृषि उद्यमी प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रबंधक पवन कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण समन्वयक सुनील रजक के सहयोग से आयोजित हुआ। प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं को स्वरोजगार के विभिन्न अवसरों से जोड़ने के उद्देश्य से श्याम गौसंरक्षण गौशाला एवं जैविक कृषि फार्म, तेवरीका का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। भ्रमण के दौरान जैविक कृषि विशेषज्ञ रामसुख दुबे ने महिलाओं को वर्मी कम्पोस्ट (केंचुआ खाद) निर्माण की सामान्य एवं चार गड्ढा विधि, वर्मी वॉश निर्माण एवं उसके फसलों में उपयोग की विस्तृत जानकारी दी।

## इंद्र इंद्राणियो ने विश्वशांति महायज्ञ कर भगवान जिनेन्द्र की रथ में विराजित कर निकाली गाजेबाजे के साथ शोभायात्रा

ग्वालियर (ए.) । दीनदयाल नगर स्थित श्री दिगंबर महावीर जैन मंदिर कमेटी और मुनिश्री विधुव सागर महाराज के सानिध्य में चले रहे 11 से 17 जून तक सात दिवासीय श्री 1008 सिद्धचक्र महामंडल विधान एवं विश्वशांति महायज्ञ महोत्सव का समापन हुआ। जिसमे आज बुधवार को चल रहे विधान के समापन पर इंद्र इंद्राणियो ने विश्वशांति महायज्ञ किया। वही भगवान जिनेन्द्र की रथ में विराजित कर गाजे बाजे व धूमधाम के साथ शोभायात्रा निकाली गई।

जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि रथयात्रा से पूर्व पहले विधानाचार्य पंडित राजेंद्र जैन और सह विधानाचार्य मुन्नालाल जैन के मार्ग दर्शन विश्वशांति महायज्ञ का आयोजन किया गया। जिसमें सौधर्म इंद्र महेंद्र जैन, कुबेर प्रवीण जैन, यज्ञ नायक रजनीश जैन, महेन्द्र इंद्र विपुल जैन, सनत इंद्र डॉ योगेश जैन, श्रीपाल वरुण जैन सहित इंद्र इन्द्राणियों ने सामूहिक रूप से अग्निकुंड में आहुति डालकर भगवान जिनेन्द्र से विश्वशांति की मनोकामना की। वही विधानाचार्य पंडित राजेंद्र जैन, विधानाचार्य मुन्नालाल जैन, संगीतकार रामकुमार, प्रवक्ता सचिन जैन ओर पत्रों का सम्मान मुख्य संयोजक बाबूलाल जैन, संयोजक डॉ योगेश जैन विपुल जैन पवन जैन ओर रजनीश जैन आदि ने किया। जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि महायज्ञ के उपरांत इंद्रगणों ने भगवान जिनेंद्र को रथ में विराजित किया। रथयात्रा गाजेबाजे के साथ ऋषि गालव स्कूल परिसर से शुरू हुई। रथयात्रा में आगे घोड़े पर युवक पचरंगी ध्वजा लेकर चल रहे थे। वही रथयात्रा में पुरुष लोग जयकारे लगाते हुए तो महिलाएं हाथों में चंवर डुलती हुई चल रहे थी। ढोल तासे की धुन पर महिलाएं भजन कीर्तन करती हुई तो बालिकाएं डाडिया नृत्य कर शोभायात्रा की शोभा बढ़ा रही थी। समाज के लोगो ने अपने घर प्रतिष्ठानों के आगे रंगालो सजाकर भगवान जिनेंद्र का स्वागत कर भव्य आरती उतारी। यह रथयात्रा ऋषि गालव स्कूल परिसर से प्रारंभ होकर मुख्य मार्गों से होती हुई दिनदयाल नगर स्थित दिगंबर महावीर जैन मंदिर पहुंची।

## सरकारी वाहन छोड़ ट्रैवलर से पहुंचे कलेक्टर-एसपी और सभी अधिकारी

जबलपुर (आरएनएस.)। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के प्रस्तावित जबलपुर प्रवास के मद्देनजर मंगलवार को कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह एवं पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थलों के निरीक्षण के लिए अपने–अपने सरकारी वाहनों के बजाय ट्रैवलर वाहनों का इस्तेमाल किया। दो ट्रैवलर वाहनों में कलेक्टर एवं एसपी सहित नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक गहलोत सहित एसडीएम एवं सभी संबंधित विभागों के अधिकारी–कर्मचारी एक साथ कार्यक्रम स्थलों पर पहुंचे।

# इंदौर पुलिस की बड़ी सफलता स्क्रैप व्यापारी के कर्मचारी से 29 लाख 65 हजार रुपए की लूट का खुलासा

### 22 लाख 60 हजार रुपए नगद, लूट की रकम से खरीदी गई कार एवं अन्य सामग्री जप्त

इंदौर (ए.)। भोपाल मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेश में संगठित अपराधों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कार्रवाई के अंतर्गत इंदौर पुलिस ने स्क्रैप व्यापारी के कर्मचारी से हुई 29 लाख 65 हजार रुपए की लूट की वारदात का त्वरित खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटी गई राशि में से 22 लाख 60 हजार रुपए नगद, लूट की रकम से खरीदी गई एक आई–20 कार तथा घटना में प्रयुक्त अन्य सामग्री जब्त की है।फरियादी मुकुल अग्रवाल, निवासी रामचंद्र नगर एक्सटेंशन, इंदौर द्वारा थाना पंढरीनाथ में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि 11 जून को वह अपने स्क्रैप व्यवसाय से संबंधित विभिन्न प्रतिष्ठानों से भुगतान राशि एकत्रित कर लगभग 29 लाख 65 हजार रुपए नगद लेकर दोपहिया वाहन से जा रहा था। इसी दौरान रात्रि में जायसवाल धर्मशाला के समीप दो अज्ञात व्यक्तियों ने उसे रोककर मारपीट की तथा नकदी से भरा बैग छीनकर फरार हो गए।

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस आयुक्त इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में आठ विशेष पुलिस टीमों का गठन कर आरोपियों की तलाश प्रारंभ की गई। जांच के दौरान पुलिस टीमों ने घटना स्थल एवं संभावित मार्गों के 800 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज का सूक्ष्म विश्लेषण किया। तकनीकी साक्ष्यों, मुखबिर तंत्र एवं सतत पुलिसिंग के आधार पर एक संदिग्ध एक्टिवा वाहन की पहचान की गई, जिस पर फर्जी नंबर प्लेट लगी हुई थी। इसके बाद इंदौर सहित आसपास के जिलों एवं अन्य राज्यों में संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी गई।अनुसंधान में यह तथ्य सामने आया कि आरोपियों ने वारदात को पूरी योजना के साथ अंजाम दिया था। आरोपियों द्वारा फरियादी की पूर्व से रेकी की जा रही थी तथा भुगतान संग्रहण के प्रथम स्थान से ही उसका पीछा किया जा रहा था। उपयुक्त अवसर मिलते ही उन्होंने लूट की घटना को अंजाम दिया।पूछताछ में मुख्य आरोपी ने बताया कि क्रिप्टोकरेंसी में हुए आर्थिक नुकसान एवं बढ़ते कर्ज के कारण उसने लूट की योजना बनाई थी। उसने अपने दो साथियों को फरियादी की गतिविधियों पर नजर रखने तथा रेकी करने का जिम्मा सौंपा था।पुलिस टीमों द्वारा लगातार दबिश एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया गया। उसकी निशानदेही पर सह–आरोपी को भी अलग–अलग स्थानों से गिरफ्तार कर लिया गया।पुलिस द्वारा शेष लूटी गई राशि की बरामदगी तथा प्रकरण से जुड़े अन्य तथ्यों के संबंध में आरोपियों का पुलिस रिमांड प्राप्त किया गया है। मामले में विस्तृत विवेचना जारी है।

# व्यापार समाचार

## भारत में एक हफ्ते के बैन पर भड़का टेलीग्राम, सरकार के एक्शन को बताया पूरी तरह गलत

नईदिल्ली (ए.)। भारत सरकार ने देश में लोकप्रिय मैसेजिंग ऐप टेलीग्राम पर एक हफ्ते के लिए पूरी तरह से रोक लगा दी है. इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के आदेश के अनुसार, यह प्रतिबंध 22 जून 2026 तक लागू रहेगा. इसके साथ ही सरकार ने टेलीग्राम को आदेश दिया है कि वह 30 जून 2026 तक मैसेज एडिट करने वाले फीचर को भी बंद रखे. यह कड़ा फैसला 21 जून को होने वाली नीट (यूजी) 2026 की दोबारा परीक्षा को सुरक्षित रखने और नकल माफियाओं पर लगाम लगाने के लिए लिया गया है.

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने जांच में पाया कि टेलीग्राम के 'मैसेज एडिट' फीचर का गलत इस्तेमाल करके बड़ा धोखा किया जा रहा था. आईआईटी मद्रास के डायरेक्टर प्रो. वी. कामकोटी ने एक वीडियो के जरिए समझाया कि यह फर्जीवाड़ा कैसे होता है.

माफिया परीक्षा से एक–दो दिन पहले टेलीग्राम चैनल पर कोई भी साधारण पीडीएफ फाइल अपलोड कर देते हैं. इससे उस मैसेज पर परीक्षा के पहले की तारीख और समय (टाइमस्टैम्प) दर्ज हो जाता है. परीक्षा खत्म होने के बाद, जब असली प्रश्नपत्र बाहर आता है, तो वे 'एडिट' फीचर का उपयोग करके पुरानी फाइल की जगह असली प्रश्नपत्र अपलोड कर देते हैं. देखने वाले को लगता है कि यह पेपर परीक्षा से पहले ही लीक हो गया था. इस तरह छात्रों को झांसा देकर भविष्य के पेपर के नाम पर लाखों रुपये ठगे जा रहे थे.

व्हाट्सएप जैसे ऐप्स में मैसेज एडिट करने पर फाइल या कैप्शन नहीं बदला जा सकता, लेकिन टेलीग्राम पर पूरी फाइल बदली जा सकती है, जिससे यह धोखाधड़ी आसान हो गई थी. इस बैन के बाद टेलीग्राम और भारत सरकार के बीच जुबानी जंग छिड़ गई है. टेलीग्राम के मालिक पावेल डुरोव ने इस फैसले पर कड़ी नाराजगी जताई है.

# ग्राहकों के दिलों पर राज करने आ रहा Honda Elevate का नया अवतार, जानें कब होगी लॉन्च

नई दिल्ली (ए.)। भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए जापानी कार निर्माता कंपनी होंडा (Honda) एक बड़ा दांव खेलने जा रही है। कंपनी अपनी पॉपुलर मिडसाइज एसयूवी होंडा एलिवेट (Honda Elevate) को एक नए और बेहद आकर्षक अवतार में पेश करने की तैयारी कर रही है। भारत की सड़कों पर इस अपकमिंग एसयूवी के नए वर्जन की टेस्टिंग शुरू हो चुकी है और इसे कई बार स्पॉट भी किया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, होंडा इस मिडसाइज एसयूवी के फेसलिफ्ट वर्जन को इस साल के अंत तक बाजार में उतार सकती है।

### घटती सेल के बीच कंपनी का बड़ा दांव

दरअसल, मिडसाइज एसयूवी सेगमेंट में इस वक्त मुकाबला बेहद कड़ा है। क्रेटा और सेल्टोस जैसी कारों के सामने मौजूदा होंडा एलिवेट का प्रदर्शन काफी कमजोर रहा है। आलम यह है कि एलिवेट की मंथली सेल दो हजार यूनिट्स से भी कम रह गई है। बीते मई महीने में इस कार की महज 1,224 यूनिट्स ही बिकीं, जो पिछले साल के मुकाबले 16 फीसदी कम है। टॉप–10 सेलिंग एसयूवी की लिस्ट से बाहर हो चुकी एलिवेट को दोबारा रेस में लाने के लिए कंपनी इसके लुक, स्टाइलिंग और फीचर्स में बड़े अपग्रेड करने जा रही है।

### स्पाई शॉट्स में दिखा नया लुक, ग्रिल और बंपर में बदलाव

सड़कों पर टेस्टिंग के दौरान दिखे टेस्ट म्यूल (कैमोफ्लॉज से ढकी कार) के स्पाई शॉट्स से साफ है कि इसके फ्रंट और रियर पोर्शन को पूरी तरह छुपाया गया है। हालांकि, कार के ओवरऑल शेप और साइज में कोई खास बदलाव नहीं होगा, लेकिन इसे एक फ्रेश लुक देने के लिए रिफ्रेश्ड फ्रंट ग्रिल, रिडिजाइन फ्रंट बंपर और अपडेटेड एलईडी हेडलैम्प्स दिए जा सकते हैं। इसके अलावा रियर प्रोफाइल में रिवाइज्ड एलईडी टेल लैम्प्स और नए आकर्षक अलॉय व्हील्स देखने को मिल सकते हैं, जो इसके रोड प्रजेंस को और मजबूत बनाएंगे।

### फीचर्स की कमी होगी दूर, मिलेगा नया केबिन

मौजूदा होंडा एलिवेट को लेकर ग्राहकों की सबसे बड़ी शिकायत इसमें कम फीचर्स का होना थी, जिसे कंपनी इस बार पूरी तरह दूर करने वाली है।

खबरों की मानें तो नई एलिवेट फेसलिफ्ट में बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, 360–डिग्री कैमरा, वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स, अपडेटेड डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और पहले से कहीं ज्यादा सुरक्षित एडवांस एडास (ADAS) पैकेज दिया जा सकता है। इसके साथ ही इंटीरियर को प्रीमियम फील देने के लिए बेहतर मैटेरियल और नई अपहोल्स्ट्री का इस्तेमाल किया जाएगा।

### इंजन में नहीं होगा कोई बदलाव

भले ही कार के लुक और फीचर्स को पूरी तरह अपग्रेड किया जा रहा हो, लेकिन इसके मैकेनिकल्स में कोई बदलाव नहीं होगा। नई होंडा एलिवेट में भी मौजूदा मॉडल की तरह ही भरोसेमंद 1.5–लीटर का नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन मिलेगा। यह कार पहले की तरह ही 6–स्पीड मैनुअल और सीवीटी (CVT) ऑटोमैटिक गियरबॉक्स ऑप्शन के साथ उपलब्ध होगी। फीचर्स और लुक में इस बड़े बदलाव के बाद माना जा रहा है कि यह कार सेगमेंट की दिग्गज कारों को कड़ी टक्कर देगी।

## रिलायंस जियो जल्द दाखिल कर सकती है करीब 400 अरब रुपये के आईपीओ के लिए आवेदन

मुंबई (ए.) । टेलीकॉम कंपनी रिलायंस जियो इंफोकॉम जल्द ही अपने बहुप्रतीक्षित आईपीओ की दिशा में बड़ा कदम उठा सकती है।

रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनी कुछ ही दिनों में 4 अरब डॉलर (लगभग 400 अरब रुपये) के आईपीओ के लिए ड्राफ्ट पेपर्स दाखिल कर सकती है। यह फाइलिंग रिलायंस इंडस्ट्रीज की 19 जून को होने वाली सालाना आम बैठक से पहले हो सकती है। हालांकि, कंपनी की ओर से इस रिपोर्ट पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। मुकेश अंबानी ने पिछले साल शेयरधारकों की बैठक में कहा था कि जियो का आईपीओ 2026 के पहले छह महीनों में लाया जाएगा। हालांकि, तय समय सीमा निकल जाने के बावजूद कंपनी इस साल प्रक्रिया शुरू कर सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका और इजराइल के बीच तनाव तथा बाजार में बढ़ी अनिश्चितता के कारण इस योजना में देरी हुई। इस साल अब तक रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर में करीब 15 प्रतिशत की गिरावट भी दर्ज की गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जियो ही नहीं, बल्कि कई अन्य कंपनियों की लिस्टिंग योजनाएं भी प्रभावित हुई हैं।

वॉलमार्ट समर्थित फोनपे समेत कई कंपनियों ने अपने आईपीओ प्लान फिलहाल टाल दिए हैं। प्राइम डेटाबेस के आंकड़ों के अनुसार, इस साल अब तक भारत में आईपीओ की कुल वैल्यू सालाना आधार पर 39 प्रतिशत घटकर 2.1 अरब डॉलर रह गई है। वैश्विक तनाव ने निवेशकों की धारणा और बाजार की तरलता दोनों को प्रभावित किया है।बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि किसी भी आईपीओ की सफलता के लिए निवेशकों का भरोसा और सकारात्मक माहौल जरूरी होता है। कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट के एमडी नीलेश शाह के अनुसार, प्रमोटर और निवेशक अभी वैल्यूएशन को लेकर अलग–अलग उम्मीदें रख रहे हैं।

## सोना हुआ और भी महंगा, जबकि चांदी की कीमतों में आई गिरावट

नईदिल्ली (ए.)। वैश्विक आर्थिक संकेतों और भू–राजनीतिक मोर्चे पर मिली बड़ी राहत के बीच भारतीय सर्राफा बाजार में आज सोने और चांदी की कीमतों में मिला–जुला रुख देखने को मिल रहा है. आज यानी 17 जून 2026 को सुबह 11:00 बजे जारी आंकड़ों के मुताबिक, देश के प्रमुख महानगरों में सोने की कीमतों में मामूली बढ़त दर्ज की गई है, जबकि चांदी के भाव में हल्की गिरावट देखी जा रही है.

घरेलू बाजार में आज 24 कैरेट सोने की औसत कीमत 1,52,000 से 1,53,000 प्रति 10 ग्राम के बीच बनी हुई है. देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोने का भाव 1,52,140 और 22 कैरेट का भाव 1,39,462 प्रति 10 gram दर्ज किया गया. वहीं, मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,52,420 पर कारोबार कर रहा है. दक्षिण भारत के शहरों में कीमतें थोड़ी उच्च स्तर पर हैं; चेन्नई में 24 कैरेट सोने का भाव 1,52,930 और थिरुवनंतपुरम में 1,52,880 प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गया है. इसके अलावा हैदराबाद में यह 1,52,640 और बेंगलुरु में 1,52,520 पर ट्रेंड कर रहा है.सोने की चमक जहां बरकरार है, वहीं चांदी की कीमतों में आज 0.54% की मामूली गिरावट देखी गई है. वायदा बाजार में चांदी का भाव 2,50,105 पर सेटल होने के बाद, वर्तमान में हाजिर बाजार में चांदी 2,49,360 प्रति किलोग्राम पर आ गई है.

## एक्स डाउनः यूजर्स ने आउटेज की रिपोर्ट की, ऐप और वेबसाइट पर लॉगिन और फीड में आईं दिक्कतें

नई दिल्ली(ए.)। एलन मस्क के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) की सर्विस में बुधवार को रुकावट आई। सुबह करीब 8:30 बजे सर्विस ठप होने की सबसे अधिक शिकायतें मिलीं। आउटेज ट्रैक करने वाले प्लेटफ़ॉर्म 'डाउनडिटेक्टर' के अनुसार, लगभग 40 प्रतिशत यूजर्स ने ऐप में दिक्कतों की शिकायत की, जबकि 29 प्रतिशत ने फीड और टाइमलाइन में समस्याओं की बात कही। वहीं, 18 प्रतिशत यूज़र्स ने वेबसाइट पर रुकावटों की सूचना दी। पिछले 24 घंटों में यह दूसरी बार है जब सर्विस में रुकावट आई है। इससे पहले मंगलवार शाम को भी यूजर्स ने समस्याओं की रिपोर्ट की थी।इससे पहले इस साल मई में प्लेटफ़ॉर्म में भारत समेत दुनिया भर में आउटेज (सेवा में रुकावट) की समस्या आई थी, जिसके कारण यूजर्स न तो नई पोस्ट लोड कर पा रहे थे और न ही अपने अकाउंट में लॉग–इन कर पा रहे थे। हजारों यूजर्स को एक्स के वेबपेज एक्सेस करने में परेशानी हुई, जबकि कई लोगों ने ऐप और लॉग–इन पेज में भी दिक्कतों की शिकायत की। उस आउटेज के दौरान, 41 प्रतिशत यूजर्स ने कहा कि वे लॉग इन नहीं कर पा रहे थे, जबकि उतने ही यूज़र्स ने एक्स ऐप में भी दिक्कतों की बात कही।

## खाली पड़ी दुकान या जमीन से हर महीने बिना कुछ किए कमाएं 60 हजार रुपए, बस करना होगा यह आसान सा काम

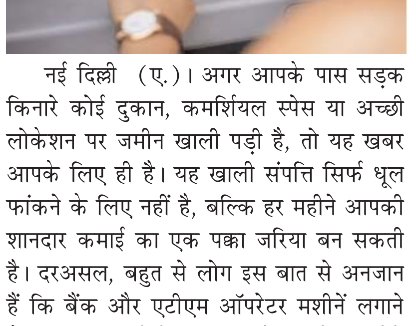

नई दिल्ली (ए.)। अगर आपके पास सड़क किनारे कोई दुकान, कमर्शियल स्पेस या अच्छी लोकेशन पर जमीन खाली पड़ी है, तो यह खबर आपके लिए ही है। यह खाली संपत्ति सिर्फ धूल फांकने के लिए नहीं है, बल्कि हर महीने आपकी शानदार कमाई का एक पक्का जरिया बन सकती है। दरअसल, बहुत से लोग इस बात से अनजान हैं कि बैंक और एटीएम ऑपरेटर मशीनें लगाने के लिए आम लोगों की प्रॉपर्टी किराये पर लेते हैं। इसके बदले में हर महीने एक तय और मोटी रकम किराये के रूप में दी जाती है। सबसे बड़ी राहत की बात यह है कि एक बार एटीएम लग जाने के बाद आपको रोजमर्रा की कोई मेहनत या बिजनेस चलाने का झंझट नहीं पालना पड़ता और घर बैठे कमाई होती रहती है। हर जगह एटीएम नहीं खोला जा सकता। बैंक और एटीएम कंपनियां हमेशा ऐसी जगह की तलाश में रहती हैं जहां लोगों की अच्छी खासी आवाजाही हो। मुख्य बाजार, शॉपिंग एरिया, घनी आबादी वाली कॉलोनियां, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, अस्पताल, कॉलेज या सरकारी कार्यालयों के आसपास की जगहों को सबसे ज्यादा प्राथमिकता दी जाती है। इसके अलावा छोटे शहरों और कस्बों में भी इसकी भारी मांग है। एटीएम लगाने के लिए अमूमन साठ से एक सौ वर्गफुट जगह की दरकार होती है। प्रॉपर्टी ग्राउंड फ्लोर पर होनी चाहिए और वहां चौबीसों घंटे पहुंच संभव हो। मजबूत कंक्रीट की छत, सुरक्षा के लिए शटर, बिजली और इंटरनेट जैसी बुनियादी सुविधाएं भी वहां मौजूद होनी चाहिए। एटीएम लगवाने की प्रक्रिया बेहद आसान है। इसके लिए आप सीधे अपने नजदीकी बैंक की शाखा में जाकर ब्रांच मैनेजर को अपना आवेदन सौंप सकते हैं। इस आवेदन के साथ अपनी प्रॉपर्टी की तस्वीरें और लोकेशन की पूरी जानकारी देनी होती है। इसके अलावा टाटा इंडिकैश, हिटाची पेमेंट सर्विस और इंडिया वन पेमेंट जैसी कई प्राइवेट व्हाइट लेबल एटीएम कंपनियां भी मशीनें लगाती हैं, जिन्हें आप किराये का प्रस्ताव दे सकते हैं। दस्तावेज के तौर पर आपको प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री, पैन कार्ड, आधार कार्ड, प्रॉपर्टी टैक्स की रसीद, बिजली का बिल और जरूरत पड़ने पर सोसायटी की एनओसी जमा करनी होती है।

## सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

# तेल खरीदना महंगा

पिछले महीने भारत यात्रा के लिए रवाना होने से पहले अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने एलान किया था कि वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति जल्द ही नई दिल्ली जाएंगी और भारत वेनेजुएला से अधिक तेल खरीदेगा।

वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज पांच दिन की भारत यात्रा आई हैं। संभावना है कि उनकी इस यात्रा के दौरान भारत वेनेजुएला से कच्चे तेल की अधिक खरीदारी का सौदा करेगा। उल्लेखनीय है कि पिछले महीने के आखिर में भारत यात्रा के लिए रवाना होने से पहले अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने इस संबंध में एलान किया था। कहा था कि रोड्रिगेज जल्द ही नई दिल्ली जाएंगी और भारत वेनेजुएला से अधिक तेल खरीदेगा। इस घोषणा की पृष्ठभूमि गौरतलब है। पिछले तीन जनवरी को वेनेजुएला पर अचानक हमला कर वहां के राष्ट्रपति निकलस मदुरो और उनकी पत्नी का अपहरण करने के बाद अमेरिका ने वहां के तेल भंडार पर अपना पूरा नियंत्रण बना लिया है। अब अमेरिकी कंपनियां वहां तेल निकालने और बिक्री करने में जुटी हुई हैँ। इस बिक्री का पैसा भी अमेरिका के पास जाता है, जो उसमें से वेनेजुएला का हिस्सा अपनी मर्जी से तय कर उसके खजाने में भेज देता है। रोड्रिगेज वेनेजुएला में चाविस्मो (पूर्व राष्ट्रपति उगो चावेज की समर्थक विचारधारा) का प्रमुख चेहरा रही हैं। मगर तीन जनवरी की घटना के बाद कार्यवाहक राष्ट्रपति बनने के बाद से अमेरिका द्वारा वहां थोपी गई औपनिवेशिक किस्म की व्यवस्था में उन्होंने काम करना स्वीकार किया है। इस बारे में लैटिन अमेरिकी वामपंथी समूहों में अलग- अलग राय है। एक सोच है कि ऐसा कर रोड्रिगेज आगे और हमलों और इस क्रम में चाविस्मो के सांगठनिक ढांचे को पूरी तरह नष्ट हो जाने से बचा रही हैं। इसे एक तरह की समय काटने की रणनीति बताया गया है। मगर उनके आलोचकों की संख्या भी कम नहीं है। उधर यह भी कम विचित्र नहीं है कि भारत की तेल खरीद संबंधी फैसले अमेरिका ले रहा है। रूस के बजाय वेनेजुएला से तेल खरीदना भारत को महंगा पड़ रहा है। मगर डॉनल्ड ट्रंप के काल में अमेरिका से रिश्ता रखने के लिए ऐसी कीमतें चुकाने की अनिवार्य शर्त उसके सभी कथित सहयोगी देशों को चुकानी पड़ रही है। भले बात परेशान करने वाली हो, लेकिन यही सच है कि रोड्रिगेज की भारत यात्रा का एजेंडा वॉशिंगटन से तय हुआ है।

# चिन्ताजनक है महंगी होती दवाइयां, महंगा होता इलाज

– ललित गर्ग

भारत आज विकसित राष्ट्र बनने के स्वप्न के साथ आगे बढ़ रहा है। वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण की परिकल्पना बार-बार दोहराई जा रही है। बड़े-बड़े बुनियादी ढांचे, डिजिटल क्रांति, अंतरिक्ष उपलब्धियां और आर्थिक विकास के दावों के बीच एक प्रश्न बार-बार सामने खड़ा हो जाता है-क्या ऐसा भारत वास्तव में विकसित कहलाएगा, जहां एक सामान्य नागरिक बीमारी के कारण कर्ज में डूबने को विवश हो जाए? जहां इलाज और दवाइयों की बढ़ती कीमतें जीवन और मृत्यु के बीच की दूरी तय करने लगें? जहां स्वास्थ्य सेवा अधिकार नहीं, बल्कि आर्थिक सामर्थ्य का विषय बन जाए? ऐसे समय में जब महंगाई पहले ही आम आदमी की कमर तोड़ रही है, नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी (एन.पी.पी.ए.) द्वारा कुछ जीवनरक्षक दवाओं और टीकों की कीमतों में भारी वृद्धि की अनुमति देना गंभीर चिंता का विषय है। कैंसर की कुछ दवाओं, एंटी-टेटनस सीरम और बच्चों के आवश्यक टीकों की कीमतों में लगभग पचास प्रतिशत तक वृद्धि की स्वीकृति ने लाखों परिवारों के सामने नया संकट खड़ा कर दिया है। यह निर्णय केवल आर्थिक मुद्दा नहीं है, बल्कि सामाजिक न्याय, मानवीय संवेदना और जनकल्याणकारी शासन की अवधारणा से भी जुड़ा हुआ प्रश्न है।

भारत में स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक स्थिति किसी से छिपी नहीं है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि देश में बड़ी संख्या में लोग आज भी अपने इलाज का खर्च अपनी जेब से वहन करते हैं। बीमारी केवल स्वास्थ्य संकट नहीं रह जाती, वह आर्थिक संकट में भी बदल जाती है। एक समय था जब कहा जाता था कि व्यक्ति अपनी बेटी की शादी के कारण कर्ज में डूबता है, लेकिन आज की स्थिति यह है कि किसी गंभीर बीमारी का इलाज पूरा परिवार आर्थिक रूप से बर्बाद कर सकता है। कैंसर, हृदय रोग, किडनी रोग या अन्य जटिल बीमारियों का उपचार लाखों रुपये की मांग करता है। ऐसे में यदि जीवनरक्षक दवाइयों की कीमतें भी लगातार बढ़ती रहें तो गरीब और निम्न मध्यम वर्ग के लिए स्वास्थ्य सेवा लगभग असंभव हो जाएगी। एन.पी.पी.ए. ने दवाओं की कीमत बढ़ाने के पीछे उत्पादन लागत में वृद्धि और बाजार में संभावित कमी का तर्क दिया है। उनका कहना है कि यदि दवा कंपनियां लागत भी नहीं निकाल पाएंगी तो वे उत्पादन बंद कर सकती हैं, जिससे मरीजों को आवश्यक दवाएं उपलब्ध नहीं होंगी। यह तर्क अपनी जगह सही हो सकता है। किसी भी उद्योग को जीवित रहने के लिए उचित लाभ आवश्यक है। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या जीवनरक्षक दवाओं को सामान्य उपभोक्ता वस्तुओं की तरह देखा जा सकता है? क्या स्वास्थ्य क्षेत्र में लाभ कमाने की सीमा और सामाजिक जिम्मेदारी के बीच संतुलन स्थापित नहीं किया जाना चाहिए?

स्वास्थ्य और शिक्षा किसी भी सभ्य समाज की दो मूलभूत आवश्यकताएं हैं। दुर्भाग्य से भारत में इन दोनों क्षेत्रों में व्यवसायीकरण का प्रभाव लगातार बढ़ता गया है। निजी अस्पतालों की बढ़ती फीस, महंगे परीक्षण, अनावश्यक जांचें, चिकित्सा उपकरणों का भारी खर्च और अब दवाइयों की बढ़ती कीमतें मिलकर आम नागरिक को असहाय बना रही हैं। चिकित्सा सेवा धीरे-धीरे सेवा के बजाय उद्योग में परिवर्तित होती दिखाई दे रही है। अस्पताल स्वास्थ्य केंद्र कम और कॉरपोरेट प्रतिष्ठान अधिक प्रतीत होने लगे हैं। रोगी अब मरीज नहीं, बल्कि ग्राहक की तरह देखा जाने लगा है। यह स्थिति केवल आर्थिक असमानता को ही नहीं बढ़ाती, बल्कि सामाजिक विभाजन को भी गहरा करती है। आज भी देश में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मुख्यत: उन्हीं लोगों को उपलब्ध हैं, जिनकी आर्थिक स्थिति मजबूत है। गरीब व्यक्ति सरकारी अस्पतालों की लंबी कतारों, सीमित संसाधनों और अपर्याप्त सुविधाओं के भरोसे है। अमीर व्यक्ति अत्याधुनिक अस्पतालों और महंगे उपचारों का लाभ उठा सकता है। क्या यही सामाजिक न्याय है? क्या यही वह भारत है जिसकी कल्पना स्वतंत्रता सेनानियों ने की थी?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अनेक जनहितकारी योजनाएं लागू हुई हैं। आयुष्मान भारत जैसी योजना ने लाखों लोगों को राहत भी प्रदान की है। जन औषधि केंद्रों की स्थापना ने सस्ती दवाइयों की उपलब्धता बढ़ाने का प्रयास किया है। लेकिन इसके बावजूद स्वास्थ्य क्षेत्र में व्याप्त व्यापक विसंगतियां अभी भी बनी हुई हैं। यदि दवाओं की कीमतें लगातार बढ़ती रहें और निजी स्वास्थ्य सेवाएं अनियंत्रित होती जाएं, तो इन योजनाओं का प्रभाव सीमित हो जाएगा। वास्तविक चुनौती यह है कि स्वास्थ्य को बाजार की शक्तियों के हवाले छोड़ने के बजाय उसे जनकल्याण के केंद्र में रखा जाए। सरकार का दायित्व केवल योजनाओं की घोषणा करना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि प्रत्येक नागरिक को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हों। जीवनरक्षक दवाओं की कीमतों पर विशेष नियंत्रण होना चाहिए। सरकारी अस्पतालों में दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जानी चाहिए। दवा खरीद प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी और जवाबदेह बनाया जाना चाहिए। आवश्यक दवाओं के उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार विशेष सहायता और सब्सिडी भी दे सकती है, ताकि लागत बढ़ने का पूरा बोझ मरीजों पर न पड़े।

# पंडित नेहरू के इंडिया से मोदी के भारत तक

हरदीप सिंह पुरी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछले 10 जून को हमारे इतिहास के लगातार सबसे लंबे समय तक सेवा में रहने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बन गए। इस दरमियान काफी समय तक भारतीय शासन की सेवा करने के नाते मैं कह सकता हूं कि मोदीकी उपलब्धि कार्यकाल की लंबाई नहीं है। उन्होंने इस पद पर रहते हुए जो कुछ किया, वास्तविक उपलब्धि वह है।

मोदी ने 10 जून, 2026 को प्रधानमंत्री के पद पर अपना लगातार 4399वां दिन पूरा कर लिया। उन्होंने पंडित जवाहरलाल नेहरू के 1952 में पहली निर्वाचित सरकार से 1964 में उनके निधन तक लगातार प्रधानमंत्री रहने के कीर्तिमान को पीछे छोड़ दिया। 1947 से देखें तो सबसे लंबे समय तक लगातार प्रधानमंत्री के पद पर रहने का रिकॉर्ड अब भी पंडित नेहरू के नाम ही है। लेकिन मोदीने उन्हें हमारे गणराज्य के इतिहास में लगातार सबसे लंबे समय तक निर्वाचित शासन प्रमुख रहने के मामले में पीछे छोड़ दिया है। इस दरमियान मैंने अपना कामकाजीवन शासन के अंदर गुजारा है। इस उपलब्धि में मेरी दिलचस्पी गणित के लिहाज से कम है। मेरी ज्यादा दिलचस्पी इसमें है कि इस उपलब्धि को कैसे मापा जा सकता है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने सिखाया है कि सरकार को इस बात से आंका जाना चाहिए कि कतार के आखिर में खड़े आदमी तक क्या कुछ पहुंचता है। इसे ही अंत्योदय कहते हैं। पंडित नेहरू के 'इंडिया' और मोदीके 'भारत' के बीच का फासला वह दूरी है जिसे इस आखिरी आदमी ने तय किया है।

एक निष्पक्ष मूल्यांकन करें तो देखते हैं कि पंडित नेहरू को विरासत में क्या मिला था। उन्हें विरासत में एक ऐसा विभाजित उपमहाद्वीप मिला जो इतिहास के सबसे बड़े जबरन विस्थापन से जूझ रहा था, दो सदियों के औपनिवेशिक शोषण से खोखली हो चुकी अर्थव्यवस्था मिली, ऐसी आबादी मिली जिसमें पाँच में से एक से भी कम लोग पढ़-लिख सकते थे और औसत उम्र तीस साल के आस-पास थी। उस विरासत के आधार पर उन्होंने एक ऐसा संवैधानिक लोकतंत्र खड़ा किया जो टिका रहा, जबकि एक के बाद एक स्वतंत्र हुए कई अन्य देश सेना के जनरलों या तानाशाहों के कब्ज़े में चले गए। योजना आयोग दिशा तय करता था, सार्वजनिक क्षेत्र की अर्थव्यवस्था पर मजबूत पकड़ थी और लाइसेंस प्रणाली यह तय करती थी कि कौन क्या उत्पादन कर सकता है। विश्वविद्यालय, प्रयोगशालाएँ, परमाणु और अंतरिक्ष कार्यक्रम - आज़ाद भारत की संस्थागत नींव उन्हीं वर्षों में रखी गई थी। मैं 1974 में विदेश सेवा में आया और जिस भारत का मैंने प्रतिनिधित्व किया, वह एक गंभीर देश था जिसने अपनी व्यवस्था की क्षमता के अनुसार पूरी गरिमा के साथ अभावों का सामना करने का रास्ता चुना था।

उस व्यवस्था की कीमत तब तक साफ दिखने लगी थी जब तक मैं अपने करियर के मध्य पड़ाव पर पहुँचा। सरकार ने योजनाओं का आवंटन करना तो सीख लिया था, लेकिन वह वितरण करना नहीं सीख पायी थी। दिल्ली में घोषित किसी योजना और गाँव में मिलने वाले लाभ के बीच का जो फ़ासला था, वहीं सारा पैसा गायब हो जाता था। एक पूर्व प्रधानमंत्री का यह मानना कि हर एक रुपये में से सिर्फ पंद्रह पैसे ही गरीबों तक पहुँच पाते हैं, इस मॉडल पर अपने आप में एक बड़ा सवाल था। सरकार योजना तो बना सकती थी, लेकिन वह लोगों तक पहुँच नहीं पाती थी।

2014 में मोदी को जो विरासत मिली, उसका भी उतना ही ईमानदार मूल्यांकन होना चाहिए। उन्होंने एक ऐसी अर्थव्यवस्था की कमान संभाली थी जिसे बाज़ार ने फ्रैजाइल फ़ाइव (पांच सबसे कमजोर अर्थव्यवस्थाओं) की श्रेणी में रखा था; जो अटकी हुई परियोजनाओं के बोझ तले दबी थी, दोहरे अंकों की मुद्रास्फीति और भ्रष्टाचार से घिरी थी जिसने शासन पर से जनता के भरोसे को ही खोखला कर दिया था। इसका समाधान उन्होंने एक बिल्कुल अलग तरह की व्यवस्था बनाकर किया। योजना आयोग' की जगह नीति आयोग ने ले ली, जो राज्यों को निर्देश देने के बजाय उन्हें साथ लेकर चलता है। पहचान (पहचान पत्र), बैंक खाता और मोबाइल फोन को एक साथ जोड़ा गया और सरकार ने बिचौलियों के बजाय, जो चार दशकों से अपना कमीशन ले रहे थे, नागरिकों को सीधे भुगतान करना शुरू कर दिया। प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण एक निर्णायक माध्यम है जो बहुत साधारण लगता है लेकिन इसने शासन के इरादे की बजाय वास्तविक लाभ के मिलने पर ध्यान केंद्रित किया।

इसके बाद जो हुआ, वह एक मंच के रूप में सरकार की नई परिकल्पना थी। भारत ने सार्वजनिक डिजिटल ढांचा और एक ऐसी पहचान व्यवस्था बनाई जो पूरे उपमहाद्वीप में काम करती है। एक ऐसा भुगतान नेटवर्क खड़ा किया गया जिसका आज पूरी दुनिया अध्ययन कर रही है। पचास करोड़ से अधिक जनधन खातों ने उन परिवारों के लिए औपचारिक बैंकिंग के दरवाजे खोल दिए, जहाँ यह सुविधा पहले कभी नहीं पहुँची थी। नीति आयोग के अनुमान के अनुसार, इसी दशक में लगभग पच्चीस करोड़ भारतीय गरीबी से बाहर आए हैं और जिस अर्थव्यवस्था को बाजारों ने खारिज कर दिया था, वह अब किसी भी अन्य बड़ी अर्थव्यवस्था की तुलना में तेसे बढ़ रही है। जो सरकार कभी नागरिक और उसकी जरूरत के बीच में रुकावट बन जाती थी, वह अब किनारे हटकर उसका आगे बढ़ने का मार्ग बना रही है। भारत शब्द के पीछे यही मूल भावना है।

मैं जिस पद पर हूँ, वहाँ से इस बदलाव के बारे में बात कर सकता हूँ। साल 2014 में, हमारे पेट्रोल में इथेनॉल संमिश्रण का स्तर 1.53 प्रतिशत था। इस वर्ष हम बीस प्रतिशत के स्तर पर पहुँच चुके हैं—एक ऐसा लक्ष्य जो कभी 2030 के लिए तय किया गया था और जिसे हमने आधा दशक पहले ही हासिल कर लिया है। वह पैसा जो कभी कच्चे तेल की खरीद के लिए देश से बाहर चला जाता था, वह अब हमारे किसानों तक पहुँच रहा है, जो हमें अन्न देने वाले अन्नदाता के साथ-साथ अब ऊर्जा देने वाले ऊर्जादाता भी बन गए हैं। इन्हीं वर्षों में, उज्ज्वला योजना ने पहली बार दस करोड़ से अधिक गरीब परिवारों तक रसोई गैस पहुँचाई और इसकी सब्सिडी बिना किसी बिचौलिये के सीधे लाभार्थी के खाते में भेगई। यह अंत्योदय का ही एक रूप है, जो अब लीटर और सिलेंडर के माध्यम से साकार हो रहा है। अब योजनाएँ समाज के आखिरी पायदान पर खड़े व्यक्ति को नज़रअंदाज़ नहीं करतीं, बल्कि उन्हीं को केंद्र में रखकर बनाई जाती हैं। यही लेखा-जोखा ईंट और स्टील के क्षेत्र में भी दिखाई देता है। आवास योजना के तहत उन परिवारों के लिए लगभग चार करोड़ पक्के मकान बनाए गए हैं, जिनके पास अपना कोई घर नहीं था। 2014 में केवल पांच शहरों में मेट्रो चलती थी, आज बीस से अधिक शहरों में दौड़ रही है। हवाई अड्डों की संख्या लगभग दोगुनी हो गई है, और उड़ान योजना ने उन छोटे शहरों के लोगों के लिए भी हवाई यात्रा मुमकिन बना दी है, जहाँ के लोग पहले सिर्फ़ आसमान से गुज़रते हुए हवाई जहाज़ों को देखा करते थे। रेलवे का लगभग पूरी तरह से विद्युतीकरण कर दिया गया है और अब वहां देश में ही निर्मित सेमी-हाई-स्पीड ट्रेनें चल रही हैं। ये सब कोई काल्पनिक बातें नहीं हैं।

# मत्स्य पालन से किसानों में बढ़ी आत्मनिर्भरता

श्रीमती नूतन सिदार

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में जशपुर ने मत्स्य उत्पादन क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति आई है। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत जशपुर में मत्स्य उत्पादन का नया रिकॉर्ड 22 महीनों में 22,805 मीट्रिक टन उत्पादन, किसानों की आय में वृद्धि भी हो रही है।

मछली पालन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में 18.50 करोड़, स्पॉन, 2.55 करोड़, स्टे फ्राय और 2.94 करोड़ बीज संचयन किया गया है।

इसके साथ ही आधुनिक प्रशिक्षण, तकनीक और अनुदान योजनाओं से मत्स्यपालकों की आत्मनिर्भरता बढ़ी है।

ग्रामीण स्तर पर 77.67 हेक्टेयर तालाब और 295. 27 हेक्टेयर जलाशयों का पट्टा, नाव-जाल फिंगरलिंग, बीमा और विक्रय सहायता के माध्यान से 7,000+ हितग्राहियों को लाभ मिला है।

योजना के तहत तालाब निर्माण, पौण्ड लाइनर, बायोफ्लॉक इकाइयों और 60 प्रतिशत तक अनुदान प्रदान किया जा रहा है। मत्स्य व्यवसाय में विविधता और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती आई है।

इसके साथ ही मत्स्य किसानों को एक्सपोजर विजिट (मछली पालन) अन्य राज्यों में भेजा जा रहा है ताकि मछली पालन से जुड़े समूह और किसान वैज्ञानिक तकनीक से मछली पालन सीख सकें तालाब एवं बीज प्रबंधन,आहार एवं देख भाल,रोग नियंत्रण की अच्छी जानकारी मत्स्य पालकों को मिल सके।

मेष राशि: आज माता-पिता की मदद मिलने से आपका कोई खास काम पूरा होगा। आपकी सेहत में कुछ उतार-चढ़ाव बना रहेगा। आज आपको अपनी सेहत का ध्यान रखना चाहिए। आज उधार के लेन-देन से आपको बचना चाहिए। अगर आप जीवनसाथी के साथ अपने रिश्तों में संतुलन बनाकर चलेंगे, तो आपके रिश्ते मजबूत होंगे।

वृष राशि: आज परिवार वालों की सलाह आपके लिये फायदेमंद होगी। आज आपका कोई खास दोस्त आपसे मदद मांग सकता है, जिसकी आप हर संभव मदद करेंगे। आपकी भौतिक सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी। आज आप कुछ नया करने की कोशिश करेंगे। किसी महत्वपूर्ण मामले पर कुछ खास लोगों से बातचीत करने का मौका मिलेगा, आपको इसका पूरा फायदा उठाना चाहिए।

मिथुन राशि: आज ऑफिस में आपकी ड्रेस की तारीफ होगी। इस राशि के कॉमर्स स्टूडेंट्स को अपने साथियों से सहयोग प्राप्त होगा। किसी विषय में आ रही समस्या आसानी से सॉल्व हो जायेगी। आपका दाम्पत्य जीवन खुशियों से भरा रहेगा। समाज में आपके कार्यों की चर्चा होगी।

कर्क राशि: आज कोई शुभ समाचार मिलने के योग बन रहे हैं। आपके मन में किसी व्यक्ति की मदद करने का भाव आ सकता है। आज आपकी रचनात्मक प्रतिभा खुलकर लोगों के सामने आयेगी। आपकी आर्थिक स्थिति में बढ़ोतरी होगी।

सिंह राशि: आज रुका हुआ धन वापस मिल सकता है। आपके अधूरे काम आसानी से पूरे होंगे। व्यापार में साझेदारी से आपको लाभ होगा। आज सामाजिक कार्यों में आप आगे रहेंगे। व्यापार में योजनाबद्ध तरीके से काम करने से आपको लाभ की प्राप्ति होगी। किसी जरूरी काम से की गई यात्रा सफल होगी।

कन्या राशि: आज संतान सुख की प्राप्ति हो सकती है। सहयोगी आपके विचारों से प्रभावित होंगे, लेकिन दूसरों के कामों में दखल देने से आपको बचना चाहिए। मन-मुताबिक काम पूरे होने से आपका मन प्रसन्न रहेगा।

तुला राशि: आज आप अपने भविष्य के बारे में सोच-विचार करेंगे। परिवार के सदस्यों के साथ आपके रिश्तें बेहतर होंगे। आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। कार्य स्थल पर लोगों का सहयोग मिलने से आपका कार्य समय से पूरा हो जायेंगे। आपकी आमदनी में बढ़ोतरी होने की पूरी सम्भावना है। घर पर अचानक कोई दोस्त आ सकता है।

वृश्चिक राशि: आज आपकी मुलाकात किसी मित्र से हो सकती है। ये मुलाकात आपके लिये लाभदायक रहेगी। आज आपके सोचे हुए कार्य पूरे होंगे। जिससे आपका मन खुश रहेगा। किसी काम के लिए कोई बड़ा फैसला लेने में आप सफल रहेंगे। इस राशि के बच्चे पढ़ाई में मन लगायेंगे। आज आपको कोई शुभ समाचार मिल सकता है।

धनु राशि: आज रुके हुए काम पूरे होने की संभावना है। बच्चों के किसी फैसले को लेकर आप असहमत हो सकते हैं। इस राशि के विद्यार्थियों को आज शिक्षक की तरफ से विशेष मार्गदर्शन मिलेगा। जिससे आपका भविष्य उज्ज्वल बनेगा। घर में किसी मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता हैं, जिससे घर में खुशहाली का माहौल बनेगा।

मकर राशि: आपको रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे। कार्य स्थल पर दूसरे लोगों से वाद-विवाद की स्थिति बनने की संभावना है। आपको किसी से भी बिना वजह उलझने से बचना चाहिए। परिवार वालों के साथ आपके रिश्ते मजबूत होंगे। उनके साथ मंदिर जाने की योजना बनायेंगे।

कुंभ राशि: आज आप किसी नए काम की प्लानिंग करेंगे। आपकी प्लानिंग सक्सेस होगी। आज परिवार वालों के साथ आप खुशनुमा पल बितायेंगे। इससे रिश्तों में नजदीकियां बढ़ेंगी। पुराने दोस्तों से मुलाकात होने की संभावना है।

मीन राशि: आज आप अपनी बुद्धिमानी से सब काम संभाल लेंगे। इस राशि के नौकरीपेशा लोगों को साथ काम करने वालों से मदद मिलेगी। उनका काम जल्दी पूरा होगा। आज जीवनसाथी के साथ किसी तीर्थ स्थल की यात्रा करेंगे।

# गरीबों का सशक्तिकरण: समावेशी परिवर्तन का एक दशक

पिछले बारह वर्षों में, भारत के लगातार सरकारी प्रयासों ने ज़रूरी सेवाओं तक पहुंच बढ़ाई है, जिससे वंचित परिवारों में अभाव कम हुआ है। कल्याणकारी योजनाओं और सामाजिक सुरक्षा उपायों के विस्तार से लगभग 25 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर निकले हैं। ग्रामीण इलाकों में नल के पानी की सुविधा 2019 के 3.23 करोड़ घरों से बढ़कर मई 2026 तक 15.84 करोड़ घरों तक पहुंच गई है। 12.11 करोड़ से ज़्यादा घरों में शौचालय बनाए गए, जिससे ग्रामीण स्वच्छता कवरेज 2014 के 39 प्रतिशत से बढ़कर 100 प्रतिशत हो गया। पीएम उज्ज्वला योजना के तहत 10.57 करोड़ से ज़्यादा मुफ़्त एलपीकनेक्शन दिए गए, जिससे महिलाओं का स्वास्थ्य बेहतर हुआ और घरों के अंदर होने वाला प्रदूषण कम हुआ। आयुष्मान भारत के तहत 43.93 करोड़ हेल्थ कार्ड जारी किए गए, जिससे आर्थिक रूप से कमज़ोर परिवारों के लिए सस्ती स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच बढ़ी। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना ने 81 करोड़ से ज़्यादा लाभार्थियों को मुफ़्त अनाज उपलब्ध कराया, जिससे पूरे देश में गरीब परिवारों की खाद्य सुरक्षा मज़बूत हुई। प्राथमिक स्कूलों में लड़कियों के स्कूल छोड़ने की दर 2013-14 के 4.6 प्रतिशत से तेज़ी से घटकर 2024-25 में 0.3प्रतिशत रह गई। डिजिटल शासन सुधारों की मदद से आधार-आधारित राशन वितरण संभव हो पाया। आकांक्षी ज़िलों और आदिवासी इलाकों में भी पानी, स्वच्छता और आजीविका से जुड़े विशेष प्रयासों के ज़रिए कल्याणकारी योजनाओं का विस्तार किया गया।

गरीबी उन्मूलन और बहु-क्षेत्रीय कल्याण में रणनीतिक प्रतिमान

पिछले एक दशक में, भारत ने गरीबी कम करने, सामाजिक सुरक्षा और कल्याणकारी योजनाओं को लोगों तक पहुँचाने के मामले में एक बड़ा बदलाव देखा है। पब्लिक पॉलिसी को समावेश, पहुंच और आखिरी व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने के सिद्धांतों से दिशा मिली है। इससे यह पक्का हुआ है कि आर्थिक विकास का लाभ सभी लोगों तक पहुंचे।

खास बात यह है कि औसत महंगाई दर 2004-2014 के दौरान 8.1 प्रतिशत से घटकर 2014-2025 के दौरान 5.1 प्रतिशत रह गई। इससे कीमतों में ज़्यादा स्थिरता आई और परिवारों की खरीदने की क्षमता में सुधार हुआ। साथ ही, भारत में बहुआयामी गरीबी 2013-14 में 29.17 प्रतिशत से तेज़ी से घटकर 2022-23 में 11.28 प्रतिशत रह गई। यह 17.89 प्रतिशत अंकों की कमी को दिखाता है। इस दौरान लगभग 25 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर निकले।

यह प्रगति कल्याणकारी योजनाओं और सामाजिक सुरक्षा उपायों के बड़े पैमाने पर विस्तार के कारण संभव हुई है। मुख्य उपायों में वित्तीय समावेश, सस्ती स्वास्थ्य सेवा, खाद्य सुरक्षा, आवास, आजीविका सहायता और डिजिटल शासन सुधार शामिल हैं। बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और पब्लिक सर्विस डिलीवरी ने इन प्रयासों को और मज़बूत किया है। कुल मिलाकर, इन पहलों ने ग्रामीण और शहरी भारत के लाखों गरीब परिवारों के जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाया है।

गरिमा का आधार: मूलभूत जरूरतों तक सार्वभौमिक पहुंच

सरकारी प्रयासों का ध्यान पूरे ग्रामीण और शहरी भारत में नल के पानी की कनेक्टिविटी, स्वच्छता कवरेज, एलपीकी उपलब्धता और ग्रामीण विद्युतीकरण पर केंद्रित रहा है। ये प्रयास जीवन की बेहतर गुणवत्ता, मानव विकास और बड़े पैमाने पर बुनियादी सेवाओं की डिलीवरी की दिशा में हो रहे एक व्यापक बदलाव को दर्शाते हैं।

जल, स्वच्छता और साफ सफाई (डबल्यूएएसएच) तक सार्वभौमिक पहुंच

पिछले एक दशक में, स्वच्छ ऊर्जा, सुरक्षित पेयजल और बेहतर स्वच्छता तक पहुंच भारत की कल्याण और सार्वजनिक स्वास्थ्य रणनीति का एक मुख्य आधार बनकर उभरी है। बड़े पैमाने पर किए गए उपायों ने जीवन की गुणवत्ता में काफ़ी सुधार किया है और स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों को कम किया है। इससे मानवीय गरिमा को मज़बूती मिली है, विशेष रूप से ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों में।

जल जीवन मिशन

2019 में शुरू किया गया जल जीवन मिशन (जेजेएम), ग्रामीण परिवारों के लिए पीने योग्य पानी तक सार्वभौमिक पहुंच को संस्थागत बनाने की दिशा में एक परिवर्तनकारी बुनियादी ढांचा पहल है।

इस मिशन की शुरुआत ग्रामीण महिलाओं पर पानी लाने के लिए हाथ से किए जाने वाले काम के लंबे समय से चले आ रहे बोझ को कम करने के उद्देश्य से की गई थी। यह कार्यक्रम ग्रामीण आबादी के स्वास्थ्य, शैक्षिक उपलब्धि और सामाजिक-आर्थिक स्थिति में महत्वपूर्ण सुधार लाने में सहायक है।अपनी रणनीतिक प्राथमिकता को दर्शाते हुए, 2020-21 और 2026-27 के बीच वित्तीय आवंटन में लगभग 488 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो 67,670 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। अनुभव के लिहाज से, इस मिशन ने काफी बड़े पैमाने पर सफलता हासिल की है। अगस्त 2019 में 3.23 करोड़ घरों तक नल के पानी की पहुंच थी, जो मई 2026 तक बढ़कर 15.84 करोड़ हो गई। यह कुल 19.35 करोड़ घरों में से 81.87 प्रतिशत घरों तक पहुंच को दर्शाता है। इसके अलावा, हर घर जल अभियान के तहत 2.77 लाख गांवों में 100 प्रतिशत घरों तक नल का पानी पहुंचाया गया।

## बिहार की राजधानी पटना की नई टाउनशिप का नाम पाटलिपुत्र होगा

### मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का ऐलान

पटना(आरएनएस)। बिहार की राजधानी पटना में जो नई टाउनशिप बनाई जा रही है, उसे पाटलिपुत्र के नाम से जाना जाएगा। यह ऐलान मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बुधवार को किया है। उन्होंने फुलवारीशरीफ में एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि उनके पास पटना का नाम बदलने की मांग आ रही थी, लेकिन उन्होंने उससे भी बड़ा निर्णय है, जिसमें एक टाउनशिप को ही पाटलिपुत्र नाम दिया है। उन्होंने कहा कि इससे शहर की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को महत्व मिलेगा।

फुलवारीशरीफ के नदियावां गांव में आयोजित प्रखंड सहयोग सह जनकल्याण शिविर में मुख्यमंत्री सम्राट ने कहा कि उनकी सरकार बड़े पटना की परिकल्पना पर काम कर रही है, जिसको भविष्य में पाटलिपुत्र के नाम से जाना जाएगा। उन्होंने कहा कि आधुनिक टाउनशिप से राजधानी का स्वरूप बदलेगा और आर्थिक गतिविधियों को भी रफ्तार मिलेगी। बता दें कि पटना को प्राचीन समय में मगध की राजधानी पाटलिपुत्र के नाम से जाना जाता था।

## संजय राउत ने बगावत करने वाले सांसदों को चेतावनी दी, कहा- बेईमान सांसदों को छोड़ेंगे नहीं

मुंबई(आरएनएस)। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की शिवसेना में 6 सांसदों की बगावत की खबरों के बीच राज्यसभा सांसद और पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता संजय राउत ने बड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने बुधवार को दिल्ली में सांसद अनिल देसाई और अरविंद सावंत के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि बेईमानी करने वाले सांसदों को बख्शा नहीं जाएगा, जनता उनको सबक सिखाएगी। उन्होंने बताया कि पार्टी के मुख्य सचेतक ने व्हीप जारी किया है और गुरुवार को संसदीय कमेटी की बैठक होनी है।

राउत ने पत्रकारों से कहा, अभी तक सब साथ हैं, लेकिन रविवार को मातोश्री में जो बैठक हुई, उसमें 4 लोग शामिल थे, बाकी 5 ऑनलाइन थे। उन्होंने पार्टी न छोड़ने की बात कही थी। एक सांसद ने 4 बार साईं बाबा की, एक ने माता भवानी, एक ने मां-बेटी और एक ने अपनी मां की शपथ ली थी। अब अगर कोई शपथ लेकर मां समान शिवसेना से बेईमानी करेगा तो हम उनको छोड़ेंगे नहीं, जो चाहे वो कर लें।

राउत ने आगे कहा, ये जो सांसद हैं, वे मशाल चुनाव चिन्ह पर जीतकर आए हैं, मोदी या शिंदे के चेहरे पर नहीं जीते हैं। उद्धव बालासाहेब के चेहरे पर उनको वोट मिला है। अगर कोई बेईमानी करता है तो याद रखिए। 15-15 करोड़ कल रात को दिया। मुझे सूचना मिली है कि पैसा पहुंच गया है। पैसा मिलने के बाद नांदेड़-पुणे और 3 जगह से चार्टर प्लेन में बैठे हैं।

## जयपुर में अभिजीत दिपके को थप्पड़ मारने वाले थाने से छूटे, माला पहनाकर हुआ स्वागत

जयपुर,(आरएनएस)। राजस्थान के जयपुर में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके को थप्पड़ मारने वाले 5 युवकों को पुलिस ने रिहा कर दिया है। मंगलवार को विधायकपुरी थाने से रिहाई के बाद लोगों ने आरोपियों का जोरदार स्वागत किया गया और उन्हें फूलों की माला पहनाई। वीडियो में समर्थक इंकलाब जिंदाबाद, जय श्रीराम और भारत माता की जय के नारे लगाते हुए सुनाई दे रहे हैं।

नीट पेपर लीक के मामले में दिपके जयपुर के शहीद स्मारक में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांगने के लिए एक प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे थे। तभी भीड़ में कुछ समर्थकों ने उन्हें कंधे पर उठा लिया। इस बीच, कुछ लोग भीड़ में घुस गए और दिपके पर थप्पड़ों की बरसात कर दी। दिपके के समर्थकों ने हमला करने वाले युवकों को पकड़ लिया और उनकी धुनाई कर दी। इसके बाद पुलिस को सौंपा गया।

## 20 जून को ओडिशा दौरे पर राष्ट्रपति मुर्मू और पीएम मोदी, संताली पवित्र स्थल पर करेंगे पूजा-अर्चना

नई दिल्ली(आरएनएस)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी 20 जून को ओडिशा के मयूरभंज जिले में स्थित संताली समुदाय के परम पूजनीय और ऐतिहासिक धार्मिक स्थल गोसानी में विशेष पूजा-अर्चना करेंगे। प्रशासनिक सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, इस विशिष्ट कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्रपति मुर्मू के ससुराल के पैतृक गांव पहाड़पुर का भी दौरा करेंगे। यह अवसर इसलिए भी बेहद खास है क्योंकि इसी दिन राष्ट्रपति का 68वां जन्मदिवस भी है, जिसे यादगार बनाने के लिए दोनों शीर्ष नेता वहां आयोजित होने वाले पारंपरिक संताली मांगलिक अनुष्ठानों में सम्मिलित होंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, 20 जून की दोपहर के वक्त प्रधानमंत्री मोदी का विशेष विमान पहाड़पुर में बने अस्थाई हेलीपैड पर लैंड करेगा, जहां से वे सीधे गोसानी स्थल के लिए प्रस्थान करेंगे। वहीं, राष्ट्रपति मुर्मू का इस वीवीआईपी दौरे से ठीक एक दिन पहले यानी 19 जून को ही अपने गृह क्षेत्र रायरांगपुर पहुंचने का कार्यक्रम तय किया गया है।

# प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिका का नाम लिए बगैर जी-7 में नाविकों की सुरक्षा का मुद्दा उठाया

नईदिल्ली,(आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस के एवियन में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन में अमेरिका का नाम लिए बगैर उनके हमले में मारे गए नाविकों का मुद्दा उठाया। मोदी ने आउटरीच सत्र में नई साझेदारियां बनाना और अंतरराष्ट्रीय एकजुटता को फिर से मजबूत करना विषय पर बोलते हुए कहा कि पश्चिम एशिया में हुए संघर्ष से हमारे मित्र देशों को जान-माल का नुकसान झेलना पड़ा है। उन्होंने कहा कि इस संघर्ष में कई भारतीय नागरिकों को भी जान गंवानी पड़ी।मोदी ने कहा, हम पश्चिम एशिया में शांति प्रयासों में हुई प्रगति का स्वागत करते हैं। इस संघर्ष से हमारे मित्र देशों को जान-माल का नुकसान हुआ। होर्मुज जलडमरूमध्य में समुद्री व्यापार में आई बाधा से वैश्विक अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचा। भारत के कई नागरिकों को जान गंवानी पड़ी। वैश्विक समुद्री व्यापार से सभी देशों को जोड़ने वाले नाविकों की सुरक्षा हमारा दायित्व है। हमें सुनिश्चित करना होगा कि समुद्री मार्ग सुरक्षित रहें, और नाविक बिना भय के कार्य करें।मोदी नेअपने भाषण में कहा कि आज ग्लोबल साउथ की विश्व समुदाय से बहुत उम्मीदें हैं। किन्तु उनकी अपेक्षा सहारे की नहीं, साथ की है। वे वैश्विक विकास के लाभार्थी नहीं, उसके भागीदार बनना चाहते हैं। उन्होंने कहा, हमें दाता-प्राप्तकर्ता की सोच से आगे बढ़कर, समान सहयोगी के रूप में काम करना होगा। उनके पास-पास नहीं, साथ-साथ चलना होगा। साझेदारी को निर्भरता के बजाय, गरिमा से जोड़ना होगा। इन प्रयासों से भावी पीढ़ियों के सतत-विकास की मजबूत नींव रख सकेंगे।मोदी का बयान ऐसे समय पर आया है, जब ईरान युद्ध समाप्ति की ओर है और अमेरिका के साथ शांति समझौता होने जा रहा है। पिछले दिनों होर्मुज के पास ओमान के तट पर 3 तेल टैंकर जहाजों पर अमेरिका ने हमला किया था, जिसमें पलाऊ के झंडे

वाले तेल टैंकर सेट्टेबेलों पर हमले से 3 भारतीय नाविकों की मौत हो गई थी। भारत ने अमेरिकी उच्चायोग के सामने यह मुद्दा उठाया था। हालांकि, अमेरिका ने कोई अफसोस नहीं जताया।प्रधानमंत्री मोदी ने जनसंपर्क सत्र के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बैठकर भाषण दिया। इससे पहले, पारंपरिक जी-7 समूह फोटो के बाद दोनों नेताओं के बीच कोई बातचीत नहीं हुई। शिखर सम्मेलन स्थल पर अन्य नेताओं के साथ शामिल होने से पहले ट्रंप और मोदी ने हाथ मिलाया और कुछ देर बातचीत की थी। मोदी और ट्रंप की यह मुलाकात 16 महीने बाद हुई है। पिछले साल फरवरी में वाशिंगटन यात्रा के बाद दोनों आमने-सामने मिले थे।

## नीट परीक्षा से पहले लगे प्रतिबंध के खिलाफ टेलीग्राम पहुंची दिल्ली हाई कोर्ट

नईदिल्ली,(आरएनएस)। टेलीग्राम ने भारत सरकार द्वारा लगाए गए अस्थायी प्रतिबंध के खिलाफ दिल्ली हाई कोर्ट का रुख किया है। केंद्र ने नीट (यूजी) 2026 की दोबारा परीक्षा से पहले 22 जून तक देश में टेलीग्राम की सेवाओं पर रोक लगाने का फैसला किया था। इस मामले की सुनवाई जस्टिस तेजस करिया की अवकाशकालीन पीठ के सामने रखी गई, जिसने इसे तुरंत सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया है। बता दें, नीट की दोबारा परीक्षा 21 जून को आयोजित की जानी है।

केंद्र सरकार ने यह फैसला राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) और शिक्षा मंत्रालय की सिफारिश पर लिया है। अधिकारियों का कहना है कि कुछ समूह टेलीग्राम का इस्तेमाल करके छात्रों और अभिभावकों को कथित पेपर लीक और परीक्षा से जुड़ी भ्रामक जानकारी के जरिए गुमराह कर रहे थे। सरकार का मानना है कि परीक्षा के दौरान इस तरह की गतिविधियों को रोकना जरूरी है, ताकि उम्मीदवार बिना किसी भ्रम के निष्पक्ष माहौल में परीक्षा दे सकें।

सरकार ने टेलीग्राम को भारतीय यूजर्स के लिए 30 जून तक पुराने मैसेज में बदलाव करने की सुविधा बंद करने का निर्देश भी दिया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ लोग पहले सामान्य मैसेज पोस्ट करते थे और बाद में उनमें बदलाव करके प्रश्नपत्र या अन्य सामग्री जोड़ देते थे। इसके बाद पुराने समय के स्क्रीनशॉट दिखाकर पेपर लीक होने का दावा किया जाता था। इस तरह की भ्रामक गतिविधियों को रोकने के लिए यह कदम उठाया गया है।

## नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर शुरू हुआ कार्गो ऑपरेशन, व्यापार और लॉजिस्टिक्स को मिलेगी रफ्तार

नईदिल्ली/नोएडा (आरएनएस)। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने आज अपनी पहली कार्गो फ्लाइट संभालकर एक और बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। यह कार्गो विमान घरेलू रूट पर संचालित हुआ। कुछ दिन पहले ही एयरपोर्ट ने व्यावसायिक यात्री उड़ानों की शुरुआत की थी। अब कार्गो सेवाएं शुरू होने के बाद यह परियोजना उत्तर भारत के एक बड़े विमानन और लॉजिस्टिक्स केंद्र के रूप में तेजी से आगे बढ़ रही है। इससे क्षेत्र में व्यापार और माल परिवहन को नई गति मिलने की उम्मीद है।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को घरेलू, अंतरराष्ट्रीय और एक्सप्रेस कार्गो सेवाओं के लिए विकसित किया गया है। एयरपोर्ट को यमुना एक्सप्रेसवे से सीधा सड़क संपर्क मिला है, जिससे ट्रकों के जरिए सामान की आवाजाही आसान और तेज होगी। एयरपोर्ट प्रबंधन का कहना है कि इसका आधुनिक ढांचा तेज, भरोसेमंद और बेहतर कार्गो संचालन के लिए तैयार किया गया है। इससे उत्तर भारत में उद्योग, ई-कॉमर्स और सप्लाई चेन को बड़ा फायदा मिलने की उम्मीद है।

एयरपोर्ट की कार्गो सुविधाओं को एयर इंडिया सैट्स ने विकसित किया है। शुरुआती चरण में यहां हर साल दो लाख मीट्रिक टन कार्गो संभालने की क्षमता है, जिसे आगे बढ़ाकर 15 लाख टन तक करने की योजना है। यहां 22,000 वर्ग मीटर का वेयरहाउस, दो समर्पित फ्रेटर बे और 24 घंटे संचालन की सुविधा उपलब्ध है। डिजिटल ट्रैकिंग, पेपरलेस डॉक्यूमेंटेशन और आधुनिक सुरक्षा प्रणाली भी यहां स्थापित की गई है।

मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने नई दिल्ली में एक बैठक के दौरान केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह से मुलाकात की।

## दिल्ली के संगम विहार में युवक पर ताबड़तोड़ फायरिंग, मौके पर ही मौत, आपसी रंजिश का शक

नई दिल्ली,(आरएनएस)। दक्षिणी दिल्ली के संगम विहार में देर रात गोलियों की तड़तड़ाहट से पूरा इलाका दहल उठा. एच ब्लॉक में हुई ताबड़तोड़ फायरिंग में एक युवक की मौत हो गई. वारदात के बाद इलाके में दहशत का माहौल है और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दक्षिणी दिल्ली के संगम विहार इलाके का एच ब्लॉक देर रात गोलियों की आवाज से गूंज उठा. अज्ञात बदमाशों ने एक युवक को निशाना बनाते हुए ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी. युवक की मौके पर ही मौत हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, अचानक कई राउंड फायरिंग की आवाज सुनाई दी, जिसके बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई. लोग डर के कारण अपने घरों में दुबक गए और कुछ ही देर में घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस की कई टीमें मौके पर पहुंचीं. पूरे इलाके को घेरकर जांच शुरू की गई और फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया. टीम ने घटनास्थल से अहम साक्ष्य जुटाए. वहीं मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया गया है. प्राथमिक जांच में पुलिस आपसी रंजिश और गैंगवार के एंगल को भी खंगाल रही है. हालांकि अधिकारी अभी किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से बच रहे हैं और सभी संभावित पहलुओं की जांच की जा रही है।

फिलहाल पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और हमलावरों की पहचान के लिए छापेमारी कर रही है. पुलिस का दावा है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा कर दिया जाएगा।

## रेत विवाद में खूनी खेलः भाजपा नेता की फॉर्च्यूनर को टक्कर मार लगाई आग, जिंदा जलकर मौत,चार आरोपी गिरफ्तार

कोरिया । छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले के सोनहत तहसील अंतर्गत ग्राम कटगोड़ी में मंगलवार देर रात हुई दिल दहला देने वाली घटना ने पूरे प्रदेश को झकझोर दिया है। रेत कारोबार को लेकर लंबे समय से चल रहे विवाद ने हिंसक रूप ले लिया, जिसमें भाजपा नेता एवं पूर्व जनपद पंचायत उपाध्यक्ष भरत सिंह गहरवार उर्फ लल्ला सिंह की जलकर मौत हो गई। घटना में तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनका उपचार अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज में जारी है।

पुलिस के अनुसार घटना मंगलवार रात करीब 11 बजे की है। बताया जा रहा है कि भरत सिंह अपने साथियों के साथ नवगई गांव पहुंचे थे। इसी दौरान आरोपियों ने उनकी फॉर्च्यूनर वाहन को घेर लिया। आरोप है कि पहले वाहन को एक टिपर से कई बार टक्कर मारकर क्षतिग्रस्त किया गया, जिसके बाद उस पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग लगने के बाद वाहन के दरवाजे जाम हो गए थे। अंदर फंसे लोगों ने शीशे तोड़कर बाहर निकलने का प्रयास किया, लेकिन आरोपियों द्वारा उनके साथ मारपीट किए जाने का भी आरोप है। आग की चपेट में आने से भरत सिंह गहरवार उर्फ लल्ला सिंह की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग गंभीर रूप से झुलस गए।

तीन घायल, अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज में उपचार जारी

घटना में घायल लोगों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। गंभीर रूप से झुलसे तीनों घायलों का उपचार अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज में जारी है। चिकित्सकों की निगरानी में उनका इलाज किया जा रहा है।

आईजी ने किया घटनास्थल का निरीक्षण

मामले की गंभीरता को देखते हुए सरगुजा रेंज के आईजी दीपक झा देर रात ही घटनास्थल पहुंचे और पुलिस अधिकारियों से मामले की जानकारी ली। फॉरेंसिक टीम ने भी मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। क्षेत्र में तनाव की स्थिति को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

चार आरोपी गिरफ्तार, तीन की तलाश जारी

पुलिस ने इस जघन्य हत्याकांड में त्वरित कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में अक्षय त्रिपाठी, विशाल त्रिपाठी, सत्यप्रकाश त्रिपाठी और मन्नू त्रिपाठी शामिल हैं। पुलिस के अनुसार मामले में तीन अन्य आरोपी अभी फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है। प्रारंभिक जानकारी में गिरफ्तार आरोपी भी भाजपा से जुड़े बताए जा रहे हैं।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव बोले तथ्यों के आधार पर होगी कार्रवाई

घटना को लेकर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही उन्होंने कांग्रेस द्वारा लगाए जा रहे आरोपों को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि विपक्ष इस घटना का राजनीतिकरण करने का प्रयास कर रहा है।

कांग्रेस ने सरकार और भाजपा पर साधा निशाना

घटना के बाद प्रदेश कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस प्रवक्ता सुशील आनंद शुक्ला ने आरोप लगाया कि प्रदेश में रेत कारोबार को लेकर भाजपा नेताओं के बीच संघर्ष की स्थिति बन गई है। उन्होंने कहा कि कोरिया की घटना इसी संघर्ष का परिणाम है।

# वेस्टर्न डिस्टर्बेंस से कई राज्यों में आंधी-बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली(आरएनएस)। हाल के दिनों में बारिश और आंधी-तूफान के बाद देश की राजधानी दिल्ली में एक बार फिर गर्मी और धुंध का मौसम है और अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के आस-पास है. मौसम विभाग के वैज्ञानिक नरेश कुमार के मुताबिक, 18 जून से एक और वेस्टर्न डिस्टर्बेंस उत्तर-पश्चिम भारत पर असर डाल सकता है।

इसके असर से 20 और 21 जून को दिल्ली में हल्की बारिश होने की उम्मीद है. इस वजह से पूरे उत्तर-पश्चिम भारत में तापमान में काफ़ी गिरावट आने की उम्मीद है और अभी यह सामान्य से नीचे है. हालांकि, वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के आने से पहले तापमान बढ़ने की उम्मीद है।

मौसम विभाग के मुताबिक, 17 जून को छत्तीसगढ़ के कुछ इलाकों में, 17-18 जून को तेलंगाना में और 19-22 जून के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हीटवेव के हालात बन सकते हैं. इन इलाकों में रहने वालों को सलाह दी गई है कि वे ज़्यादा देर तक धूप में न रहें और हाइड्रेटेड रहें क्योंकि ऐसे हालात में परेशानी का लेवल और गर्मी से जुड़ी बीमारियों का खतरा काफ़ी बढ़ सकता है।

मौसम विभाग ने जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, राजस्थान और उत्तर प्रदेश समेत पूरे उत्तर-पश्चिम में हल्की बारिश का अनुमान लगाया है. हिमाचल और उत्तराखंड के लिए भारी अलर्ट जारी किया गया है, क्योंकि दोनों जगहों पर आज 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ़्तार से आंधी-तूफ़ान आ सकते हैं,

जो 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक जा सकते हैं।

पश्चिम बंगाल के हिमालयी क्षेत्र और सिक्किम में मौसम में तेजी से बदलाव की उम्मीद है, जहाँ 17 जून से 22 जून के बीच भारी बारिश हो सकती है. बिहार, झारखंड और ओडिशा में भी तेज हवा के साथ गरज और बारिश होने की उम्मीद है. 21-22 जून के दौरान बिहार में और 17-12 जून के दौरान ओडिशा में हवा की रफ़्तार 50-60 किमी प्रति घंटे तक पहुँच सकती है और हवा की रफ़्तार 70 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुँच सकती है।

पूरे हफ़्ते अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा में भारी बारिश हो सकती है. मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि इस हफ़्ते नॉर्थईस्ट इंडिया और सब-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है. लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम के नए अनुमान से अपडेट रहें और अधिकारियों की सलाह मानें.मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और विदर्भ में 21 जून तक बारिश जारी रहने की संभावना है. मौसम विभाग ने पूर्वी और पश्चिमी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और विदर्भ में कहीं-कहीं बारिश, गरज के साथ बारिश, बिजली गिरने और तेज़ हवाओं का अनुमान लगाया है. मध्य प्रदेश के कई हिस्सों में 50-60 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ़्तार से हवा और गरज के साथ छींटे भी पड़ सकते हैं.मौसम विभाग ने 17-18 जून के दौरान गुजरात, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में बारिश की गतिविधि का अनुमान लगाया है.दक्षिण भारत में इस हफ़्ते तेलंगाना, कोस्टल आंध्र प्रदेश, रायलसीमा, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, पुडुचेरी और लक्षद्वीप में बारिश होने की उम्मीद है. तमिलनाडु और पुडुचेरी में 17 जून को भारी बारिश होगी. इस बीच मौसम विभाग ने बंगाल की खाड़ी और अरब सागर के कुछ हिस्सों में खराब समुद्री हालात के कारण मछुआरों के लिए चेतावनी जारी की है।

## पिनाराई की बेटी वीणा मंथली पेमेंट केस में पूछताछ के लिए ईडी के समक्ष पेश हुई

कोच्चि(आरएनएस)। विपक्ष के नेता पिनाराई विजयन की बेटी वीणा टी, मंथली पेमेंट केस के सिलसिले में पूछताछ के लिए कोच्चि में एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट ऑफिस में पेश हुई. अपने पति और पूर्व मंत्री पी ए मोहम्मद रियास के साथ वह सुबह करीब 10:30 बजे कड़ी सुरक्षा वाले एजेंसी ऑफिस पहुंचीं।

यह केंद्रीय एजेंसी द्वारा जारी किया गया दूसरा नोटिस है जिसमें वीना को पूछताछ के लिए उपस्थित होने का निर्देश दिया गया है. जब एक सप्ताह पहले शुरुआती समन भेजा गया था, तो उन्होंने स्वास्थ्य समस्याओं का हवाला देते हुए दो सप्ताह की मोहलत मांगी थी. हालाँकि, जांच टीम ने केवल पांच दिन की मोहलत दी और उन्हें बुधवार को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का सख्त आदेश दिया.पुलिस ने वीणा के कार्यालय में आसानी से प्रवेश की सुविधा के लिए एक विशेष सुरक्षा गलियारे की व्यवस्था की थी. ईडी छापे के पिछले उदाहरणों से बिल्कुल अलग, कार्यालय के आसपास मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी का कोई भी कार्यकर्ता या नेता मौजूद नहीं था.एजेंसी वीना को दिए गए लगभग 50 लाख रुपये के एक और सब-कॉन्ट्रैक्ट से जुड़े हालात की जांच कर रही है, साथ ही उससे जुड़े फाइनेंशियल ट्रांज़ैक्शन की भी जांच कर रही है. अगर यह पता चलता है कि इन पैसों का इस्तेमाल करके कोई संपत्ति खरीदी गई है, तो यह मामला प्रिवेंशन ऑफ़ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के दायरे में आएगा, जिससे ईडी ऐसी संपत्तियों को अटैच करने सहित कार्रवाई शुरू करेगा। चल रही पूछताछ इन संभावित कानूनी कदमों की शुरुआत है।

## होर्मुज में बढ़ी जहाजों की आवाजाही, ईरान के तीन तेल टैंकरों ने अमेरिकी नाकेबंदी को किया पार

तेहरान (आरएनएस)। होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही बढ़ने लगी है। मैरीटाइम एनालिसिस फर्म विंडवर्ड ने बताया कि मंगलवार को 14 जहाज स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरे, जो इस महीने का सबसे बड़ा दैनिक आंकड़ा है। जो इस महीने का अब तक का सबसे बड़ा दैनिक आंकड़ा है। इस बढ़ोतरी को शिपिंग कंपनियों के बीच धीरे-धीरे लौटते भरोसे के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि अमेरिकी प्रतिबंधों के तहत सूचीबद्ध एक जहाज 'सोफिया 1' ने भी होर्मुज स्ट्रेट को पार किया। इसे पहले अमेरिकी वित्त विभाग द्वारा ईरान के तेल परिवहन नेटवर्क से जुड़े जहाजों में शामिल किया गया था और इस पर द्वितीयक प्रतिबंध भी लगाए गए थे। समुद्री गतिविधियों पर नजर रखने वाली संस्था टैंकरट्रैकर्स के मुताबिक, पीस डील ऐलान के बाद से ईरान का तीसरा तेल टैंकर अमेरिकी नौसेना की नाकाबंदी को पार कर गया।टैंकरट्रैकर्स ने बताया कि नेशनल ईरानियन टैंकर कंपनी (एनआईटीसी) का टैंकर सोनिया-1 करीब 10 लाख बैरल कच्चा तेल लेकर रवाना हुआ था। इससे पहले इसी सप्ताह एनआईटीसी के दो टैंकर डायोना और हीरो-2 भी अमेरिकी नाकाबंदी पार कर निकले थे। इन दोनों जहाजों में कुल 38 लाख बैरल ईरानी कच्चा तेल लदा था। हालांकि, मौजूदा ट्रैफिक अभी भी युद्ध से पहले के स्तर से काफी कम है।रिपोर्ट के मुताबिक, संघर्ष शुरू होने से पहले इस होर्मुज से औसतन करीब 130 जहाज प्रतिदिन गुजरते थे।विंडवर्ड ने कहा कि कई शिपिंग कंपनियां अभी भी पूरा भरोसा जुटा नहीं पाई हैं, वो इंतजार कर रही हैं।

## चीन ने संयुक्त राष्ट्र में ग्लोबल साउथ को पर्याप्त प्रतिनिधित्व देने की वकालत की

बीजिंग (आरएनएस)। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने कहा है कि उभरती अर्थव्यवस्थाओं और विकासशील देशों को संयुक्त राष्ट्र में पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं मिल रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि दुनिया भर में बढ़ते राजनीतिक और आर्थिक विवादों के कारण संयुक्त राष्ट्र की भूमिका और प्रभावशीलता पर लगातार सवाल उठ रहे हैं।रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार को बीजिंग में वैश्विक शासन व्यवस्था को अधिक न्यायसंगत और समान बनाने से जुड़े एक श्वेत पत्र (व्हाइट पेपर) को जारी करते हुए एक प्रेस वार्ता में वांग यी ने यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि चाहे कोई देश बड़ा हो या छोटा, शक्तिशाली हो या कमजोर, विकसित हो या विकासशील सभी अंतरराष्ट्रीय समुदाय के समान सदस्य हैं। वांग ने वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) के देशों की आवाज को अधिक महत्व देने की आवश्यकता पर जोर दिया।चीन के विदेश मंत्री ने कहा कि दुनिया लगातार नई चुनौतियों का सामना कर रही है, जिससे कई वैश्विक संकट एक-दूसरे से जुड़ते जा रहे हैं। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, सभ्यता का जहाज अब खतरनाक जलक्षेत्र में प्रवेश कर चुका है, जहां छिपी हुई चट्टानें और भीषण तूफान मौजूद हैं।

वांग ने कहा कि मौजूदा विवाद गहरे और लंबे समय से चले आ रहे मतभेदों को उजागर करते हैं। उन्होंने ब्लैक स्वान और ग्रे राइनो जैसी घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि अप्रत्याशित संकटों और स्पष्ट दिखने वाले लेकिन नजरअंदाज किए जाने वाले खतरों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

# ईरान-अमेरिका शांति समझौते की दिशा में बड़ा कदम, शुक्रवार से अंतिम समझौते पर शुरू होगी वार्ता : ईरानी विदेश मंत्री

तेहरान, (आरएनएस)। ईरान और अमेरिका के बीच लंबे समय से जारी तनाव और संघर्ष के बाद अब शांति की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सामने आई है। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने घोषणा की है कि दोनों देशों के बीच अंतिम समझौते पर बातचीत का नया दौर शुक्रवार से शुरू होगा। इससे पहले दोनों देशों ने युद्ध समाप्त करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) को अंतिम रूप दिया है, जिस पर शुक्रवार को आधिकारिक हस्ताक्षर होने की उम्मीद है।

रिपोर्ट के अनुसार, तेहरान में विदेशी राजनयिकों के साथ बैठक के दौरान अराघची ने इस समझौते की जानकारी शेयर की। उन्होंने बताया कि ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत को दो चरणों में बांटा गया है, क्योंकि अमेरिका और इजरायल की ओर से ईरान पर हुए हमलों के कारण कई जटिलताएं पैदा हो गई थीं।

विदेश मंत्री के अनुसार, पहले चरण में युद्ध समाप्त करने, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज, ईरान के खिलाफ अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी, ईरान की जमी हुई संपत्तियों और युद्ध से हुए नुकसान के पुनर्निर्माण जैसे मुद्दों पर समझौता ज्ञापन तैयार किया गया है। वहीं दूसरे चरण में अगले 60 दिनों

तक परमाणु कार्यक्रम और ईरान पर लगे प्रतिबंधों को हटाने जैसे अहम मुद्दों पर बातचीत जारी रहेगी।

अराघची ने कहा कि इस समझौते का सबसे महत्वपूर्ण पहलू युद्ध समाप्ति की घोषणा है। उन्होंने बताया कि समझौते को अंतिम रूप दिए जाने के बाद सोमवार सुबह युद्ध समाप्ति की घोषणा कर दी गई थी, जबकि समझौता ज्ञापन आधिकारिक रूप से शुक्रवार से लागू होगा।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस समझौते में लेबनान की स्थिति को भी शामिल किया गया है। अराघची के मुताबिक लेबनान में युद्ध का अंत और वहां से इजरायली सेना की वापसी इस शांति प्रक्रिया का अभिन्न हिस्सा है। जब तक कब्जे वाले लेबनानी क्षेत्रों से इजरायली सैनिक नहीं हटते, तब तक युद्ध की समाप्ति को पूर्ण नहीं माना जा सकता।

ईरानी विदेश मंत्री ने चेतावनी देते हुए कहा कि अब से लेबनान पर इजरायल का कोई भी सैन्य हमला या वहां कब्जा बनाए रखना शांति समझौते का उल्लंघन माना जाएगा।बता दें कि अमेरिका, पाकिस्तान और ईरान ने सोमवार को कई सप्ताह की वार्ताओं के बाद युद्ध समाप्ति संबंधी समझौता ज्ञापन को अंतिम रूप देने की घोषणा की थी। इस पर शुक्रवार को स्विट्जरलैंड में औपचारिक हस्ताक्षर किए जाएंगे।28 फरवरी को इजरायल और अमेरिका ने तेहरान समेत कई ईरानी शहरों पर संयुक्त हमले किए थे। इसके जवाब में ईरान ने इजरायल और क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाते हुए मिसाइल और ड्रोन हमले किए थे।

## इंस्टाग्राम-फेसबुक और टिकटॉक ने ले ली 12 साल की मासूम की जान, माता-पिता ने कंपनियों पर ठोका मुकदमा

रोम (आरएनएस)। इटली से एक बेहद दर्दनाक और रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां महज 12 साल की एक मासूम बच्ची रोसेला रोजेरो उगुएस की जिंदगी सोशल मीडिया के खतरनाक एल्गोरिदम की भेंट चढ़ गई। रोसेला की मां आइरीन ने इस खौफनाक सच का खुलासा करते हुए बताया कि बेटी के व्यवहार में अचानक बड़े बदलाव आने लगे थे। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म उनकी बेटी को लगातार खुद को नुकसान पहुंचाने वाले (सेल्फ-हार्म) कंटेंट दिखा रहा था, जिसके डिप्रेशन में आकर रोसेला ने आत्महत्या कर ली। इस घटना ने बच्चों की सुरक्षा को लेकर एक बड़ी बहस छेड़ दी है।

रोसेला की मौत के बाद जब उसके माता-पिता ने उसका मोबाइल और लैपटॉप चेक किया, तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। बच्ची उनकी सोच से कहीं ज्यादा समय सोशल मीडिया पर बिता रही थी। जांच में पता चला कि उसने इंस्टाग्राम पर 'Just a dead pers®n' (जिसमें अंग्रेजी अक्षर 'o' की जगह '0' यानी जीरो का इस्तेमाल था) नाम से एक फेक अकाउंट बनाया हुआ था। उत्तरी इटली के एस्टी शहर में रॉयटर्स से बात करते हुए आइरीन ने बताया कि सितंबर 2023 में डिप्रेशन से जुड़े कंटेंट देखने के महज पांच महीने बाद ही उनकी खुशमिजाज और मिलनसार बेटी ने खौफनाक कदम उठा लिया। यह उनके लिए किसी अचानक आई विनाशकारी बीमारी जैसा था, जिसने सब कुछ तबाह कर दिया।

# एन्थ्रोपिक ने एडवांस एआई मॉडल्स का एक्सेस रोका

### अमेरिकी सरकार के आदेश के बाद एक्शन

वॉशिंगटन,(ए.)। अमेरिकी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनी एन्थ्रोपिक ने एक बड़ा कदम उठाते हुए अपने सबसे एडवांस एआई मॉडल्स को अचानक सभी यूजर्स के लिए बंद करने की घोषणा की है। कंपनी का यह फैसला अमेरिकी सरकार के उस सख्त आदेश के बाद आया है, जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए विदेशी नागरिकों के लिए इन अत्याधुनिक मॉडल्स की पहुंच को तत्काल प्रभाव से रोकने के लिए कहा गया था। इस अचानक की गई कार्रवाई से तकनीकी जगत और एआई का इस्तेमाल करने वाले करोड़ों यूजर्स के बीच खलबली मच गई है। एन्थ्रोपिक द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, कंपनी को सभी विदेशी नागरिकों के लिए अपने प्रमुख मॉडल्स का एक्सेस रोकने का एक्सपोर्ट कंट्रोल निर्देश प्राप्त हुआ है। हालांकि, इस निर्देश में राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी संवेदनशील चिंताओं के बारे में कोई विस्तृत या खास जानकारी साझा नहीं की गई है। कंपनी का मानना है कि सरकार को अंदेशा है कि इन एआई मॉडल्स के सुरक्षा उपायों को बायपास या जेलब्रेक करने का कोई ऐसा तरीका मौजूद है, जिसका इस्तेमाल करके सॉफ्टवेयर की कमियों का गलत फायदा उठाया जा सकता है। यह सरकारी आदेश ऐसे समय में आया है जब ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों और आईपीओ की तैयारी कर रही कंपनी एन्थ्रोपिक के बीच चल रहे पुराने विवादों के सुलझने की उम्मीद जताई जा रही थी। दरअसल, इस साल एंथ्रोपिक और अमेरिकी सरकार के बीच रिश्ते तब तनावपूर्ण हो गए थे, जब कंपनी ने अमेरिकी सेना को घरेलू निगरानी और पूरी तरह से ऑटोमैटिक हथियार प्रणालियों के लिए अपने एडवांस एआई मॉडल्स का इस्तेमाल करने की इजाजत देने से साफ इनकार कर दिया था। इसके जवाब में सरकार ने कड़ा रुख अपनाते हुए एंथ्रोपिक को सप्लाई चेन की ब्लैकलिस्ट में डाल दिया, जो इस साल के आखिर में प्रभावी रूप से लागू होने वाली है।

सरकार का यह नया कदम विदेशी विरोधियों की एआई क्षमताओं को नियंत्रित करने के अमेरिकी प्रयासों में एक बड़ी तेजी को दर्शाता है। अब तक अमेरिकी निर्यात नियंत्रण का मुख्य फोकस उन अत्याधुनिक चिप्स और हार्डवेयर टूल्स पर रहा है जो एआई को चलाते हैं, न कि खुद सॉफ्टवेयर या एआई मॉडल तक विदेशी पहुंच को सीमित करने पर। इस मामले में एंथ्रोपिक ने आपत्ति जताते हुए कहा है कि सरकार ने उसे केवल एक संभावित और गैर-व्यापक जेलब्रेक के मौखिक सबूत दिए हैं। कंपनी के अनुसार, वे इस बात से कतई सहमत नहीं हैं कि एक सीमित संभावित तकनीकी खामी को आधार बनाकर ऐसे कमर्शियल मॉडल को बाजार से वापस ले लिया जाए, जिसे वर्तमान में करोड़ों लोग इस्तेमाल कर रहे हैं। इस पूरे घटनाक्रम से यह साफ होता है कि मॉडल के सुरक्षा उपायों को बायपास करने यानी जेलब्रेक से जुड़े जोखिमों के आकलन को लेकर एआई डेवलपर्स और सरकारी नियामकों के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है। हालांकि, एंथ्रोपिक ने खुद भी पूर्व में जोखिम वाले मॉडल्स पर ज्यादा निगरानी रखने की वकालत की थी, लेकिन कंपनी का कहना है कि सरकार की यह हालिया कार्रवाई निष्पक्षता और तथ्यों पर आधारित सिद्धांतों के अनुरूप नहीं है।

## फीचर

# ऑनलाइन एयर फ्रायर खरीदते समय इन 5 बातों का रखें खास ध्यान, होगा सही चयन

एयर फ्रायर एक ऐसा रसोई उपकरण है, जो कम तेल में तली चीजों को कुरकुरा बनाने में मदद कर सकता है। अगर आप ऑनलाइन एयर फ्रायर खरीदने वाले हैं तो आपको कुछ खास बातों पर ध्यान देना चाहिए ताकि आपको बेहतरीन और आपकी जरूरतों के अनुसार ही मिले। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी अहम बातें बताते हैं, जिनसे आपको सही एयर फ्रायर खरीदने में मदद मिलेगी।

### एयर फ्रायर की क्षमता पर दें ध्यान

एयर फ्रायर खरीदते समय उसकी क्षमता पर ध्यान दें। बाजार में अलग-अलग आकार और क्षमता वाले एयर फ्रायर मिलते हैं। अगर आपके परिवार में चार से पांच लोग हैं तो 5 लीटर या उससे अधिक क्षमता वाला एयर फ्रायर चुनें, वहीं अगर आपका परिवार छोटा है तो 2.5 लीटर से 4 लीटर क्षमता वाला एयर फ्रायर काफी रहेगा। इसके अलावा अगर आप अक्सर मेहमानों के लिए खाना बनाते हैं तो 6 लीटर या उससे अधिक क्षमता वाला एयर फ्रायर खरीदें।

### तापमान नियंत्रण होना है जरूरी

एयर फ्रायर में तापमान नियंत्रण होना बहुत जरूरी है क्योंकि इससे आप अलग-अलग व्यंजनों को सही तापमान पर पका सकते हैं। कुछ एयर फ्रायर में केवल एक डायल होता है, जिससे तापमान सेट करना आसान होता है, वहीं कुछ में डिजिटल कंट्रोल पैनल होता है, जो अधिक सटीकता प्रदान करता है। अगर आप रोजाना एयर फ्रायर का इस्तेमाल करने वाले हैं तो बेहतर होगा कि आप डिजिटल कंट्रोल वाले एयर फ्रायर को प्राथमिकता दें।

### आकार और डिजाइन पर दें ध्यान

एयर फ्रायर का आकार और डिजाइन भी महत्वपूर्ण होता है। आपको ऐसा एयर फ्रायर चुनना चाहिए, जो आपके रसोईघर में आसानी से फिट हो सके और देखने में भी अच्छा लगे। बाजार में मिलते एयर फ्रायर ज्यादातर स्टाइलिश होते हैं, जिन्हें आप अपने रसोईघर की सजावट के अनुसार चुन सकते हैं। इसके अलावा अगर आप छोटे आकार का एयर फ्रायर खरीदेंगे तो इससे रसोई में अधिक जगह भी बचेगी।

### अतिरिक्त सुविधाओं पर दें गौर

आजकल बाजार में ऐसे एयर फ्रायर भी उपलब्ध हैं, जिनमें अतिरिक्त सुविधाएं जैसे रोस्टिंग, ग्रिलिंग आदि शामिल होती हैं। अगर आप इन सुविधाओं का लाभ चाहते हैं तो इन्हें ध्यान में रखकर एयर फ्रायर खरीदें। इसके अलावा कुछ एयर फ्रायर में प्रीसेट्स होते हैं, जिससे आप एक बटन दबाकर ही विभिन्न व्यंजनों को आसानी से बना सकते हैं। इसके अलावा कुछ एयर फ्रायर में ऑटो शट ऑफ फीचर भी होता है, जो सुरक्षा के लिए अहम है।

### ब्रांड और वारंटी पर ध्यान दें

ब्रांड का चुनाव करते समय उसकी विश्वसनीयता और ग्राहक सेवा पर ध्यान दें। अच्छे ब्रांड्स आमतौर पर बेहतर गुणवत्ता और ग्राहक सेवा प्रदान करते हैं। इसके अलावा एयर फ्रायर पर मिलने वाली वारंटी अवधि भी मायने रखती है। आमतौर पर 1 से 2 साल की वारंटी अवधि अच्छी मानी जाती है। इन सभी बातों का ध्यान रखकर आप अपने लिए सबसे उपयुक्त एयर फ्रायर चुन सकते हैं।

## अली फजल की वेब सीरीज 'राख' में दिव्या शर्मा ने सुमन का किरदार से लगाए चार चांद

हाल ही में रिलीज हुई अली फजल की वेब सीरीज 'राख' बीते कुछ दिनों से काफी चर्चाओं में है। इसमें दिव्या शर्मा ने सुमन का किरदार निभाया है, जिनका अपहरण हो जाता है और सीरीज की पूरी कहानी उन्हें ढूंढने और अपराधी को पकड़ने के इर्द गिर्द घूमती है।

दिव्या शर्मा एक नई और उभरती हुई एक्ट्रेस हैं, जिन्होंने हाल ही में आई क्राइम-थ्रिलर वेब सीरीज 'राख' में 'सुमन' का किरदार निभाकर काफी ध्यान खींचा है। इस सीरीज में उनका रोल बेहद अहम है, क्योंकि कहानी सुमन और उसके भाई के अचानक गायब होने के इर्द-गिर्द घूमती है। दिव्या ने इस किरदार को बहुत ही सादगी और इमोशन के साथ निभाया है, जिससे दर्शकों पर गहरा असर पड़ा है।

सीरीज में सुमन को एक 16 साल की मासूम लेकिन समझदार लड़की के रूप में दिखाया गया है, जो अपने भाई के साथ घर से निकलती है और फिर दोनों लापता हो जाते हैं। इसके बाद पूरी कहानी उनकी तलाश और इस रहस्य को सुलझाने पर आधारित होती है। दिव्या शर्मा की एक्टिंग इस किरदार में काफी नेचुरल और प्रभावशाली नजर आती है, जो उन्हें खास बनाती है।इससे पहले दिव्या 'ग्राम चिकित्सालय' में जुही के किरदार में नजर आई थीं। ये वेब सीरीज भी अमेजन प्राइम पर रिलीज हुई थी। इस शो के दो सीजन रिलीज हो चुके हैं। इससे पहले वे ककून नाम की मिनी सीरीज में नजर आ चुकी हैं।

# हायपोथायरायडिज्म का कारण बन सकती हैं ये 5 गलतियां, जानिए इनसे बचाव के तरीके

हायपोथायरायडिज्म एक ऐसी स्थिति है, जिसमें थायरॉयड ग्रंथि पर्याप्त मात्रा में हार्मोन का उत्पादन नहीं करती है। यह स्थिति शरीर के कई कार्यों को प्रभावित कर सकती है। अक्सर लोग बिना जाने कुछ ऐसी गलतियां कर देते हैं, जो इस समस्या को बढ़ा सकती हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी सामान्य गलतियों के बारे में बताते हैं, जिनसे हायपोथायरायडिज्म का खतरा बढ़ सकता है। साथ ही यह भी जानें कि इन्हें कैसे टाला जा सकता है।

### आयोडीन का अत्यधिक सेवन

आयोडीन थायरॉयड हार्मोन के निर्माण के लिए जरूरी तत्व है, लेकिन इसका अत्यधिक सेवन हायपोथायरायज्म को बढ़ा सकता है। आयोडीन की अधिक मात्रा से थायरॉयड ग्रंथि पर दबाव पड़ता है, जिससे यह सही ढंग से काम नहीं कर पाती। इससे हायपोथायरायज्म की समस्या गंभीर हो सकती है। इसलिए, आयोडीन युक्त खाने-पीने की चीजों का सेवन संतुलित मात्रा में ही करें और डॉक्टर की सलाह के बिना किसी भी

सप्लीमेंट का सेवन न करें।

### तनाव बढ़ना

तनाव भी हायपोथायरायज्म का एक बड़ा कारण हो सकता है। मानसिक दबाव से शरीर में तनाव हार्मोन का स्तर बढ़ जाता है, जो थायरॉयड ग्रंथि के कामकाज को प्रभावित करता है। इससे हायपोथायरायज्म की समस्या बढ़ सकती है। इसलिए रोजाना ध्यान, योग या अन्य मानसिक शांति देने वाली गतिविधियों को अपनी दिनचर्या में शामिल करें। इससे न केवल आपका मन शांत रहेगा, बल्कि थायरॉयड ग्रंथि भी सही तरीके से काम करेगी।

### खान-पान सही न होना

खान-पान सही न होना भी हायपोथायरायज्म के जोखिम को बढ़ा सकता है। खासकर ऐसे खाने का सेवन करना, जो थायरॉयड ग्रंथि को नुकसान पहुंचा सकते हैं या उसकी कार्यक्षमता को प्रभावित कर सकते हैं। इसके लिए अपने खाने में आयोडीन, सेलेनियम और जिंक जैसे पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थ शामिल करें। इसके अलावा सोया उत्पाद, कुछ सब्जियां और कैफीन युक्त चीजों से दूरी बनाकर रखें। डॉक्टर से सलाह लेकर डाइट प्लान तैयार करें।

### व्यायाम न करना

व्यायाम न करना भी हायपोथायरायज्म के जोखिम को बढ़ा सकता है। नियमित व्यायाम करने से शरीर के हार्मोन्स संतुलित रहते हैं और पाचन क्रिया अच्छी तरह काम करती है। इससे हायपोथायरायज्म की समस्या कम होती है। इसलिए, रोजाना कम से कम 30 मिनट तक कोई न कोई व्यायाम जरूर करें। इससे आपका शरीर सक्रिय रहेगा, स्वास्थ्य का बेहतर ख्याल रखा जा सकता है और थायरॉयड ग्रंथि सही तरीके से काम करेगी।

### अनियमित नींद लेना

नींद हमारे शरीर के लिए बहुत जरूरी है। अगर आप अनियमित नींद लेते हैं तो इससे न केवल आपका मूड खराब होता है, बल्कि यह थायरॉयड ग्रंथि पर भी बुरा असर डालता है। पर्याप्त और नियमित नींद लेने से थायरॉयड ग्रंथि सही तरीके से काम करती है और हायपोथायरायज्म की समस्या नहीं होती। इसलिए, हर रोज 7-8 घंटे की नींद लेना जरूरी है। इसके अलावा सोने और जागने का समय भी नियमित होना चाहिए।

# जून आधा बीता फिर भी गर्मी बरकरार

## छत्तीसगढ़ में अगले 5 दिन इन इलाकों में बरसेंगे बादल

रायपुर, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में मानसून की रफ्तार धीमी बनी हुई है। जून का आधा महीना बीतने के बाद भी प्रदेश के कई हिस्सों में गर्मी और उमस से लोग परेशान हैं। रायपुर समेत मध्य क्षेत्रों में तापमान लगातार बढ़ रहा है और कई जिलों में पारा 39 से 41 डिग्री के पार पहुंच गया है। हालांकि मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में मौसम में बदलाव के संकेत हैं। कुछ इलाकों में बारिश, गरज-चमक और तेज हवाओं से राहत मिलने की संभावना जताई गई है।

द्रोणिका के असर से इन इलाकों में हुई बारिश

मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में बनी द्रोणिका के प्रभाव से सरगुजा संभाग के कई क्षेत्रों में बारिश हो रही है। सोमवार को सूरजपुर जिले के ओड़गी में सबसे ज्यादा 5 सेमी वर्षा दर्ज की गई। वहीं रामानुजनगर, प्रतापपुर और जशपुर जिले के कांसाबेल में 2-2 सेमी बारिश हुई। इसके अलावा बलरामपुर, कोरबा के पाली और करतला, बलौदाबाजार के गिधौरी टुंड्रा, सूरजपुर के प्रेमनगर और रायगढ़ के मुकडेगा में भी बारिश रिकॉर्ड की गई।प्रदेश में गर्मी का असर लगातार जारी है। सोमवार को बेमेतरा सबसे गर्म रहा, जहां अधिकतम तापमान 43.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं सरगुजा संभाग के अंबिकापुर में सबसे कम तापमान 22.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। तापमान में इस अंतर के चलते प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में मौसम का अलग-अलग असर देखने को मिल रहा है।

रायपुर में आज बादल और अंधड़ के आसार

राजधानी रायपुर में मंगलवार को मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक आसमान में बादल छाए रहने के साथ हल्की बारिश और अंधड़ की संभावना है। हालांकि दिन में गर्मी और उमस लोगों को परेशान कर सकती है। रायपुर में अधिकतम तापमान करीब 39 डिग्री और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है।

### 5 दिन तक जारी रहेगा बारिश-आंधी का दौर

मौसम विभाग ने अगले 5 दिनों तक प्रदेश के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई है। इस दौरान गरज-चमक के साथ बिजली गिरने और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की चेतावनी भी जारी की गई है।

## शिक्षा के साथ संस्कारों का समावेश हमारी प्राथमिकता : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

### भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक शिक्षा का समन्वय कर रही है राज्य सरकार : मुख्यमंत्री साय

रायपुर, (आरएनएस)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में दक्षिण कौशल पीठाधीश्वर स्वामी राजीव लोचन दास जी महाराज, निर्वाणी अखाड़ा के महंत सुरेंद्र दास जी महाराज, शदाणी दरबार से उदय लाल जी तथा कबीर आश्रम सोनपैरी के देवकर साहब जी ने सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर संत-महात्माओं ने छत्तीसगढ़ के विद्यालयों में भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक मूल्यों एवं नैतिक शिक्षा से जुड़े पारंपरिक श्लोकों और मंत्रों को पुनः शामिल किए जाने के निर्णय का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

संतों ने कहा कि पूर्व में विद्यालयों में विद्यार्थियों को गुरु ब्रह्मा, गुरु विष्णु, गुरु देवो महेश्वर जैसे मंत्रों एवं भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं से परिचित कराया जाता था, जिससे बच्चों में संस्कार, अनुशासन और नैतिक मूल्यों का विकास होता था। समय के साथ ये परंपराएं शैक्षणिक वातावरण से धीरे-धीरे विलुप्त होती गईं, किंतु अब राज्य सरकार द्वारा इन्हें पुनः स्थापित करने की पहल अत्यंत स्वागतयोग्य है। संत समाज ने कहा कि विद्यालयों में शांतिपाठ, सरस्वती वंदना, भोजन मंत्र तथा अन्य प्रेरणादायी वैदिक एवं सांस्कृतिक प्रार्थनाओं का समावेश बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे नई पीढ़ी भारतीय ज्ञान परंपरा, संस्कृति और नैतिक मूल्यों से जुड़ सकेगी।

## छत्तीसगढ़ में ईडी का भारतमाला और डीएमएफ घोटाले पर बड़ा एक्शन, नौ ठिकानों पर दी दबिश

रायपुर, (आरएनएस)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार और वित्तीय अनियमितताओं के खिलाफ एक बार फिर अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। मंगलवार सुबह केंद्रीय जांच एजेंसी की टीमों ने प्रदेश के पांच प्रमुख जिलों रायपुर, दुर्ग, धमतरी, कोरबा और अंबिकापुर में एक साथ नौ अलग-अलग ठिकानों पर दबिश दी। ईडी की यह कार्रवाई भारतमाला सड़क परियोजना में हुए भूमि अधिग्रहण मुआवजा घोटाले और जिला खनिज न्यास (डीएमएफ) फंड के उपयोग में हुई गंभीर गड़बड़ियों को लेकर हुई है।आधिकारिक सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, धमतरी में प्रतिष्ठित कारोबारी दीपेश गांधी के ठिकानों पर ईडी की टीम ने तड़के धावा बोला। वहां न केवल जमीनी और वित्तीय दस्तावेजों को जब्त किया गया, बल्कि कंप्यूटर, हार्ड डिस्क और मोबाइल जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की भी गहनता से जांच की जा रही है। भारतमाला परियोजना के तहत जमीनों के अधिग्रहण और उसके बदले बांटे गए मुआवजे में बड़े पैमाने पर हेरफेर के सबूत मिलने के बाद यह कार्रवाई की गई है।दूसरी तरफ दुर्ग और कोरबा जिलों में ईडी की टीमों ने डीएमएफ फंड घोटाले से जुड़े संदिग्धों के यहां मोर्चा संभाला है। जांच एजेंसी मुख्य रूप से यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि जनहित और विकास कार्यों के लिए आरक्षित जिला खनिज न्यास निधि का उपयोग किन नियमों को ताक पर रखकर किया गया और इसका पैसा कहां-कहां ट्रांसफर हुआ।

## चोरी की 12 दुपहिया के साथ दो वाहन चोर समेत 3 आरोपी गिरफ्तार

रायपुर, (आरएनएस)। राजधानी में वाहन चोरी की वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत रायपुर पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट की विशेष टीम ने दो वाहन चोरों और चोरी की बाइक खरीदने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 12 चोरी की दोपहिया वाहन समेत कुल 13 बाइक जब्त की हैं। बरामद वाहनों की कुल कीमत लगभग 5.20 लाख रुपये आंकी गई है।पुलिस के मुताबिक, डीसीपी क्राइम एवं साइबर स्मृतिक राजनाला के निर्देशन में वाहन चोरी के मामलों की जांच और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित की गई थी। टीम को 15 जून को सूचना मिली कि तेलीबांधा क्षेत्र में दो युवक एक संदिग्ध बाइक बेचने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहे हैं।सूचना के आधार पर पुलिस ने घेराबंदी कर संतोष कुमार गुप्ता (32) और असरफ अली (22) को पकड़ा। पूछताछ के दौरान दोनों वाहन के दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। सख्ती से पूछताछ करने पर आरोपियों ने रायपुर के विभिन्न थाना क्षेत्रों से करीब एक दर्जन दोपहिया वाहन चोरी करना स्वीकार कर लिया।

## महादेव बेटिंग एप मामले में वायरल चैट पर भूपेश बघेल का पलटवार, बोले- फर्जी फोटोशॉप से फैलाई जा रही खबर

रायपुर(आरएनएस)। महादेव ऑनलाइन बेटिंग एप के कथित संचालक सौरभ चंद्राकर से जुड़े एक वायरल सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर छत्तीसगढ़ की राजनीति में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे कथित चैट स्क्रीनशॉट में पूर्व मुख्यमंत्री Bhupesh Baghel का नाम सामने आने के बाद उन्होंने इसे फर्जी और फोटोशॉप्ड बताते हुए कड़ी प्रतिक्रिया दी है।

जानकारी के अनुसार, सोशल मीडिया पर एक पोस्ट तेजी से वायरल हो रही है, जिसमें दावा किया गया है कि महादेव बेटिंग एप के मुख्य आरोपी Saurabh Chandrakar के कथित इंस्टाग्राम अकाउंट पर भूपेश बघेल के नाम से जुड़े यूजरनेम से बातचीत हुई है। इसी आधार पर कुछ पोर्टलों द्वारा खबरें भी प्रकाशित की गईं।वायरल दावों पर प्रतिक्रिया देते हुए भूपेश बघेल ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट कर कहा कि सुबह से फर्जी फोटोशॉप के आधार पर एक खबर चलाई जा रही है। उन्होंने दावा किया कि वायरल किए जा रहे चैट बॉक्स और स्क्रीनशॉट वास्तविक नहीं हैं तथा संबंधित यूजरनेम के साथ किसी भी प्रकार का संदेश आदान-प्रदान नहीं हुआ है।पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि वायरल सामग्री पूरी तरह भ्रामक है और इसे सुनियोजित तरीके से प्रचारित किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह की फर्जी खबरों के पीछे कौन लोग हैं, इसकी जानकारी उनके पास पहुंच चुकी है।भूपेश बघेल ने चेतावनी देते हुए कहा कि जो लोग फर्जी खबरें फैलाने या ऐसे षड्यंत्रों में शामिल हैं, उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि उनकी लीगल टीम पूरे मामले का परीक्षण कर आवश्यक कानूनी कदम उठाएगी। साथ ही उन्होंने मीडिया संस्थानों से अपील की कि किसी भी सामग्री को प्रकाशित या प्रसारित करने से पहले तथ्यों की जांच अवश्य करें, ताकि भ्रामक सूचनाओं के प्रसार से बचा जा सके।

## बिजली का दर बढ़ी, कॉँग्रेस ने खोला मोर्चा कहा-'ये जनता के साथ धोखा'

रायपुर, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के बिजली उपभोक्ताओं को अगले महीने से ज्यादा बिजली बिल चुकाना होगा। राज्य विद्युत नियामक आयोग ने बिजली दरों में 6.23 प्रतिशत की बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। नई दरें 1 जुलाई से लागू होंगी। इस फैसले के बाद प्रदेश की राजनीति भी गर्मा गई है और कांग्रेस ने राज्य सरकार पर जनता के साथ धोखा करने का आरोप लगाया है। कॉँग्रेस तीन चरणों में आंदोलन करेगी। बुधवार 17 जून को प्रदेश भर में सरकार के निर्णय के विरोध में पुतला दहन करेंगे। 18 को सभी जिलों प्रेसवार्ता कर बिजली बिल के विरोध में जनता को बताएंगे। वहीं जुलाई पहले सप्ताह में गांव-गांव जाकर स्मार्ट मीटर के विरोध में फार्म भरवाएंगे। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, भाजपा सरकार के कार्यकाल में यह पांचवीं बार है जब बिजली की दरें बढ़ाई गई हैं। उन्होंने कहा, इससे आम लोगों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा। कांग्रेस का आरोप है कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद पहले ही लोगों के बिजली बिल बढ़ गए हैं और अब नई दरों से उपभोक्ताओं की परेशानी और बढ़ेगी। कांग्रेस ने यह भी दावा किया कि पिछली कांग्रेस सरकार के समय 400 यूनिट तक बिजली पर जो राहत दी जाती थी, उसे वर्तमान सरकार ने बंद कर दिया है। पार्टी का कहना है कि लगातार बिजली दरों में बढ़ोतरी कर सरकार जनता के हितों की अनदेखी कर रही है। प्रेस कांफ्रेंस में पूर्व पीसीसी अध्यक्ष धनेंद्र साहू, पूर्व मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ने भी अपने वचिार रखें और पीसीसी के निर्णय का स्वागत किया।

# खेल समाचार

## श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए वेस्टइंडीज टीम घोषित, अल्जारी और शमर जोसेफ की वापसी

नईदिल्ली,(आरएनएस)। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने श्रीलंका क्रिकेट टीम के खिलाफ आगामी 2 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए अपनी टीम का ऐलान कर दिया है। यह सीरीज आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का हिस्सा होगी। टीम में तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ और शमर जोसेफ की वापसी हुई है, जिन्होंने आखिरी बार जुलाई 2025 में टेस्ट क्रिकेट खेला था। रोस्टन चेज को टीम की कमान सौंपी गई है। पहला मुकाबला 25 जून से एंटीगुआ के सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम में खेला जाएगा।

सीडब्ल्यूआई ने श्रीलंका के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए अपनी सबसे बेहतरीन टीम को चुना है। इसमें बल्लेबाज और गेंदबाजों का अच्छा मिश्रण रखा गया है। सीरीज में तेज गेंदबाजों का दबदबा रहने की उम्मीद है। टेस्ट सीरीज के लिए वेस्टइंडीज टीम: रोस्टन चेज (कप्तान), जॉन कैंपबेल, तेजनारायण चंदरपॉल, जोशुआ डिसिल्वा, जस्टिन ग्रीव्स, केवम हॉज, शाई होप, आमिर जांगू, अल्जारी जोसेफ, शमर जोसेफ, ब्रैंडन किंग, एंडरसन फिलिप, केमार रोच, जेडन सील्स और जोमेल वारिकन।

तेज गेंदबाज अल्जारी और शमर के साथ जोशुआ डिसिल्वा और आमिर जांगू को भी टीम में वापस बुलाया गया है। घरेलू क्रिकेट में उनके शानदार प्रदर्शन के बाद यह फैसला लिया गया है। वेस्टइंडीज के कोच डेरेन सैमी श्रीलंका के खिलाफ आगामी सीरीज को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, हर टेस्ट सीरीज हमारे लिए एक टीम के रूप में विकसित होने और अपनी पहचान मजबूत करने का अवसर है। हम अच्छा प्रदर्शन करने का प्रयास करेंगे।

वेस्टइंडीज वर्तमान में 9 टीमों वाली डब्ल्यूटीसी 2025-27 तालिका में सबसे निचले स्थान पर है। उसने अब तक खेले 8 टेस्ट मैचों में से 7 में हार का सामना किया है और एक मैच ड्रॉ रहा है। वेस्टइंडीज का अंक प्रतिशत 4.17 है। बता दें की इस सीरीज का दूसरा टेस्ट मैच 3 जुलाई से एंटीगुआ के सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम में ही खेला जाएगा। उससे पहले दोनों टीमों के बीच 5 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज भी खेली जाएगी।

## फीफा विश्व कप 2026: अर्जेंटीना ने अल्जीरिया को 3-0 से हराया, लियोनल मेसी ने बनाई हैट्रिक

नईदिल्ली,(आरएनएस)। फीफा विश्व कप 2026 में अर्जेंटीना फुटबॉल टीम ने जोरदार शुरुआत की है। कंसास सिटी स्टेडियम में ग्रुप-जे में अपने पहले मुकाबले में उसने अल्जीरिया फुटबॉल टीम को एकतरफा अंदाज में 3-0 से हरा दिया। इस मुकाबले में अर्जेंटीना के दिग्गज खिलाड़ी लियोनल मेसी ने हैट्रिक लगाते हुए कई रिकॉर्ड्स भी अपने नाम किए। पूरे मुकाबले में अल्जीरिया की टीम एक बार भी मैच में नजर नहीं आई। आइए जानते हैं अर्जेंटीना ने किस तरह जीत दर्ज की।

मेसी ने मैच के 17वें मिनट में गोल पोस्ट से 30 गज की दूरी पर गेंद पर कब्जा जमाया और डिफेंडर को पछाड़ते हुए आगे बढ़े। इसके बाद उन्होंने गोलकीपर लुका जिडान को छकाते हुए शानदार गोल किया और टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। इसके बाद अल्जीरिया ने कई जवाबी हमले किए, लेकिन अर्जेंटीना की रक्षा पंक्ति को नहीं भेद पाए। ऐसे में पहले हाफ के बाद अर्जेंटीना की टीम ने 1-0 की बढ़त बनाए रखी।

दूसरे हाफ में अर्जेंटीना की टीम पूरी तरह से हावी रही। मैच के 60वें मिनट में अर्जेंटीना मैक एलिस्टर ने जोरदार शॉट लगाया, लेकिन अल्जीरिया के गोलकीपर उसे सही तरह से रोक नहीं पाए। इस पर मेसी ने रिबाउंड में गोल दागकर टीम को 2-0 से आगे किया। 76वें मिनट में मेसी ने अपने ट्रेडमार्क कर्लिंग फिनिश के साथ तीसरा गोल दागते हुए हैट्रिक पूरी की। इसके बाद अल्जीरिया कोई गोल नहीं दाग पाई और 0-3 से मुकाबला हार गई।

## हरमनप्रीत टी20 विश्व कप में सबसे अधिक रन बनाने वाली भारतीय महिला क्रिकेटर बनी

लंदन (ए.)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने पाकिस्तान के खिलाफ टी20 विश्व कप मुकाबले में 36 रनों की अपनी पारी के दौरान ही एक नया रिकार्ड अपने नाम कर लिया है। हरमनप्रीत अब टी20 विश्वकप में सबसे अधिक रन बनाने वाली भारतीय खिलाड़ी बन गयी हैं। इससे पहले पूर्व कप्तान मिताली राज 726 रनों के साथ ही रनों के मामले में शीर्ष पर थीं। मैच के दौरान अपनी पहली ही गेंद पर एक रन लेकर उन्होंने मिताली के लंबे समय से चले आ रहे इस रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। इस शानदार प्रदर्शन के साथ, हरमनप्रीत के टी20 विश्व कप में अब कुल 762 रन हो गए हैं, जो किसी भी भारतीय महिला खिलाड़ी द्वारा बनाए गए सबसे अधिक रन हैं। इस प्रकार उन्होंने 726 रनों के साथ दूसरे स्थान पर मौजूद मिताली के रिकॉर्ड को ध्वस्त कर दिया है, जिन्होंने कई वर्षों तक यह प्रतिष्ठित स्थान बरकरार रखा था। टी20 विश्व कप में सबसे अधिक रन बनाने वाली भारतीय महिला बल्लेबाजों की सूची में तीसरे स्थान पर मंधाना हैं, जिन्होंने अब तक 592 रन बनाए हैं। उनके बाद जेमिमा रोड्रिग्स 408 रनों के साथ चौथे और पुनम राऊत 375 रनों के साथ पांचवें स्थान पर हैं। हरमनप्रीत का यह रिकॉर्ड उनकी निरंतरता, जुझारूपन और बड़े मंच पर दबाव में भी अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता को दिखाता है। एक कप्तान और एक मैच विजेता के रूप में, उनका योगदान भारतीय महिला क्रिकेट के लिए अमूल्य है। यह उपलब्धि सिर्फ उनके व्यक्तिगत करियर में एक सुनहरा अध्याय नहीं जोड़ती, बल्कि भारतीय महिला क्रिकेट की बढ़ती ताकत और वैश्विक मंच पर उसकी पहचान को भी रेखांकित करती है। उनकी यह पारी आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। यह उपलब्धि हरमनप्रीत के लिए ऐसे समय पर आई जब टीम को उनकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। पाक के खिलाफ भारतीय पारी की शुरुआत खराब रही थी, जब शैफाली वर्मा और जेमिमा रोड्रिग्स ने शुरुआत में ही अपने विकेट खो दिए। ऐसे दबाव के बीच भी हरमनप्रीत ने तीसरे नंबर पर आक्रामक बल्लेबाजी की । उन्होंने 35 गेंदों पर 36 रन बनाये। इसमें , 4 शानदार चौके भी शामिल थे। हरमनप्रीत ने इस मैच में स्मृति मंधाना के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए 91 रनों की एक बेहद महत्वपूर्ण और निर्णायक साझेदारी निभाई। इस साझेदारी ने न केवल भारतीय पारी को स्थिरता प्रदान की और उसे गति दी, बल्कि यह भारत की जीत की नींव रखने में भी महत्वपूर्ण साबित हुई।

## श्रीलंका ने न्यूजीलैंड को महिला टी-20 विश्व कप में पहली बार हराया, ये बने रिकॉर्ड्स

नईदिल्ली, (ए.)। महिला टी-20 विश्व कप 2026 के 7वें मुकाबले में श्रीलंका महिला क्रिकेट टीम ने न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम को 5 विकेट से हरा दिया। ये महिला टी-20 विश्व कप के इतिहास में पहला मौका है, जब श्रीलंका ने न्यूजीलैंड को किसी मैच में हराया है। कीवी टीम ने इस टूर्नामेंट में लगातार दूसरी हार झेली है। वहीं, श्रीलंका को उसके पहले मुकाबले में इंग्लैंड से हार मिली थी। आइए मैच में बने रिकॉर्ड्स पर एक नजर डाल लेते हैं।

न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था। उनका कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल पाया। कप्तान अमेलिया केर (45) और सोफी डिवाइन (45) ने अच्छी पारियां खेलीं। टीम ने 150/6 का स्कोर बनाया। जवाब में निलाक्षिका सिल्वा (54) की अर्धशतकीय पारी के दम पर श्रीलंका ने 19.4 ओवर में 5 विकेट खोकर जीत हासिल कर ली। चमारी अट्टापट्टू ने 27 रन का योगदान दिया। न्यूजीलैंड के लिए नेंसी पटेल ने 2 विकेट चटकाए।

निलाक्षिका सिल्वा छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरीं और 37 गेंदों में 54 रन की नाबाद पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में 5 चौके और एक छक्का लगाया। उनकी स्ट्राइक रेट 145.95 की रही। निलाक्षिका ने पहले कविशा दिलहारी के साथ 39 गेंदों में 49 रन की साझेदारी की फिर कौशानी नुथ्यंगाना के साथ 28 गेंदों में 48 रन जोड़कर टीम को जीत तक पहुंचाया। यह उनके टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर का दूसरा अर्धशतक रहा।

श्रीलंका के सभी गेंदबाजों का मैच में अच्छा प्रदर्शन रहा और उन्होंने ज्यादा रन खर्च नहीं किए। इससे न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों पर काफी दबाव बन गया। श्रीलंका ने यहीं से मैच में अपनी पकड़ मजबूत कर ली। मिथाली अयोध्या ने 4 ओवर में 24 रन दिए और एक विकेट अपने नाम किया। कविशा दिलहारी ने 4 ओवर में 35 रन देकर 2 विकेट चटकाए। वहीं, सुगंदिका कुमारी, निमाशा मीपागे और अट्टापट्टू ने एक-एक विकेट अपने नाम किए।

## मेक्सिको करेगा एलए 28 महिला बास्केटबॉल प्री-क्वालिफायर मुकाबलों की मेजबानी

मीस (ए.)। इंटरनेशनल बास्केटबॉल फेडरेशन (एफआईबीए) ने बताया है कि 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक गेम्स के लिए महिला बास्केटबॉल प्री-क्वालिफाइंग टूर्नामेंट का आयोजन मेक्सिको के ग्वाडलहारा में किया जाएगा। सितंबर में बर्लिन में होने वाले 2026 एफआईबीए महिला बास्केटबॉल वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रहने वाली आठ टीमें 17 से 23 अगस्त तक ओलंपिक प्री-क्वालिफायर में हिस्सा लेंगी। सिर्फ टूर्नामेंट की विजेता ही फरवरी 2028 में होने वाले एफआईबीए महिला ओलंपिक क्वालिफाइंग टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करेगी। अर्जेंटीना, ब्राजील, कनाडा, न्यूजीलैंड, फिलीपींस, सेनेगल, साउथ सूडान और मेक्सिको (जो कोलंबिया की जगह लेगा) को अपने ओलंपिक सपनों को पूरा करने का एक और मौका मिलेगा। मेक्सिको को यह मौका इसलिए मिला है, क्योंकि वह महिलाओं की एफआईबीए विश्व रैंकिंग में अपने महाद्वीप की सबसे ऊंची रैंक वाली ऐसी टीम है, जिसने पहले टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई नहीं किया था।

अब वह कोलंबिया की जगह प्रतियोगिता में हिस्सा लेगी। यह फैसला एफआईबीए के नियमों के अनुरूप लिया गया है, जिसके तहत किसी टीम के हटने की स्थिति में उसकी जगह योग्य और सर्वोच्च रैंक वाली उपलब्ध टीम को मौका दिया जाता है।ओलंपिक क्वालिफायर में हिस्सा लेने वाली 16 टीमों में अफ्रीका की टॉप दो टीमें, अमेरिका और एशिया की टॉप चार-चार टीमें, और यूरोप की टॉप छह टीमें शामिल होंगी,

जिसमें संबंधित क्षेत्र से प्री-क्वालिफाइंग टूर्नामेंट का विजेता शामिल नहीं होगा। 2026 वर्ल्ड कप विजेता और मेजबान अमेरिका, जिसे एफआईबीए सेंट्रल बोर्ड से मंजूरी मिलनी बाकी है। 2028 क्वालिफाइंग टूर्नामेंट की बाकी 10 सबसे अच्छी टीमों के साथ लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 में मुकाबला करेगा। प्री-क्वालिफायर का ड्रॉ शुक्रवार को एफआईबीए हेडक्वार्टर में पैट्रिक बॉमन हाउस ऑफ बास्केटबॉल में होगा। एफआईबीए विमेंस ओलंपिक प्री-क्वालिफाइंग टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाले आठ देशों को चार-चार के दो ग्रुप में बांटा जाएगा।

### निलाक्षिका सिल्वा ने महिला टी-20 विश्व कप में अपना पहला अर्धशतक लगाया, जानिए उनके आंकड़े

नईदिल्ली,(ए.)। महिला टी-20 विश्व कप 2026 के 7वें मुकाबले में श्रीलंका महिला क्रिकेट टीम की बल्लेबाज निलाक्षिका सिल्वा ने शानदार अर्धशतकीय पारी (54) खेली। ये उनके टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर का सिर्फ दूसरा अर्धशतक रहा, जिसे उन्होंने 33 गेंदों में पूरा किया। उन्होंने टी-20 विश्व कप में अपना पहला ही अर्धशतक लगाया। उनकी शानदार पारी के दम पर श्रीलंका ने न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम को 5 विकेट से हरा दिया। ऐसे में आइए उनकी पारी और आंकड़ों पर एक नजर डालते हैं।निलाक्षिका छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरीं और 37 गेंदों में 54 रन की नाबाद पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में 5 चौके और एक छक्का लगाया। उनकी स्ट्राइक रेट 145.95 की रही।

### बीसीसीआई ने त्रिकोणीय ए सीरीज में हुए विवाद को लेकर वैभव का बचाव किया

मुम्बई (ए.)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने श्रीलंका में जारी ए टीमों की त्रिकोणीय सीरीज में विवादों में फंसे भारत ए टीम के 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का बचाव किया है। इस सीरीज के एक मैच में वैभव और श्रीलंका ए के खिलाड़ी विशेन हलमबागे के बीच झड़प हुई थी। दोनो को ही एक दूसरे का धक्का देते हुए भी देखा गया था। जिससे बाद से ही दोनो पर कार्रवाई की मांग की जा रही थी। इसके बाद से ही ये सवाल उठ रहा था कि इस मामले में बीसीसीआई वैभव पर क्या कार्रवाई करता है। वहीं स पूरे मामले में अब बीसीसीआई का आधिकारिक बयान सामने आया है, जिसमें बोर्ड ने वैभव का समर्थन किया है।गौरतलब है कि मैच के मैदान पर हुई इस आक्रामक घटना के बाद, वैभव के व्यवहार की आलोचना शुरु हो गयी थी। कई लोगों का मानना था कि खेल के मैदान पर ऐसी आक्रामकता स्वीकार्य नहीं है और एक उभरते हुए खिलाड़ी से धैर्य की उम्मीद की जाती है।

# मानसून आते ही बरसाती वस्तुओं का शुरू हुआ व्यवसाय

## क्षतिग्रस्त आवासों को बचाने होने लगे जतन, बरसाती डाल कर हो रहा पानी से बचाव

फाईल फोटो

नर्मदापुरम (निप्र)। इस बार कुछ देरी से मानसून आया है। मानसून आते ही लोग बरसात से क्षतिगस्त आवासों को बचाने के जतन करने लगे हैं। जिसमें अनेक शासकीय कॉलोनी के आवास भी शामिल हैं। इसके अलावा अनेक लोगों के द्वारा भी अपने जीर्ण शीर्ण मकानों पर पॉलीथीन आदि डाल कर बचाव कर रहे हैं।मानसून के इस बार एक सप्ताह देरी से आने से जहां किसान वर्ग सबसे ज्यादा चिंतित है वहीं, दूसरी तरफ एक धड़ा व्यापारियों का ऐसा भी है जो किसानों के ऊपर निर्भर रहरकर अपना कारोबार करता है। इस बार किसान ज्यादा चिंतित हैं क्योंकि जिले में कुछ किसानों की मूंग की फसल कटाई हो रही थी और बारिश आ गई। जिससे किसानों को नुकसान हो रहा है। वहीं जिन किसानों की मूंग निकल चुकी है उसे बचाने के लिए तिरपाल व पॉलीथीन की खरीदी में जुटे हुए हैं।

### बरसाती कारोबार में उठाव

बरसाती कारोबार से जुड़े व्यापारियों को लाभ होने की उम्मीद जागी है। फुर्सत में बैठे हुए अनेक व्यापारियों के यहां पर तिरपाल और पॉलीथीन का ढ़ेर लगा हुआ है। जिनकी बिक्री तेजी से शुरू हो गई है। इस बार प्री मानसून की बारिश होते ही छाते, रेनकोट, एवं तिरपाल का व्यापार शुरू हो गया है जो अब एक पखवाड़े तक जारी रहेगा। एनके जैन ने बताया कि इस बार जून के पहले सप्ताह से ही सामग्री में उठाव शुरू हो गया है। अब बारिश शुरू होने से ग्राहकी की उम्मीद बड़ रही है।

### वर्षा होने पर बढ़ेगी डिमांड

बरसाती सामान की दुकान संचालक जमना जोशी ने बताया कि हमने तो सभी तरह की सामग्री लाकर रखी हैं। बारिश जारी रहेगी तो सामान की बिक्री होगी। अभी तो शुरूआत है बारिश शुरू होने से वर्षा से बचाव वाले सामान का विक्रय हो रहा है। ज्यादातर झुग्गी झोपड़ी वाले तथा पीएम आवास योजना के तहत आधे अधूरे बने हुए आवासों के लिए तिरपाल आदि की खरीदी की जा रही है।

# नगरीय निकाय एवं पंचायतों की मतदाता सूची पुनरीक्षण का कार्यक्रम संशोधित

नर्मदापुरम (निप्र)। राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज श्रीवास्तव ने जानकारी दी है कि नगरीय निकायों एवं त्रि-स्तरीय पंचायतों के फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण-2026 के पूर्व में जारी कार्यक्रम में संशोधन किया गया है। अब प्रारूप मतदाता सूची में दावे-आपत्ति 25 जून तक लिये जायेंगे। दावे-आपत्तियों का निराकरण 2 जुलाई तक किया जायेगा। फोटोयुक्त अंतिम मतदाता सूची का विहित स्थानों पर सार्वजनिक प्रकाशन 27 जुलाई को किया जायेगा। पूर्व में जारी कार्यक्रम के अनुसार मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 18 जुलाई को होना था। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग दीपक सिंह ने कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देशित किया है कि संशोधित कार्यक्रम के अनुसार मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण के लिये निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन करना सुनिश्चित करें।

# गुरु अर्जुनदेव के बलिदान दिवस पर आज चड्ढा परिवार द्वारा की जाएगी छबील सेवा

नर्मदापुरम (निप्र)। चड्डा परिवार के द्वारा बीते अनेक वर्षों की परंपरा के चलते इस वर्ष भी सिखों के पांचवे गुरू बलिदानियों के सिरमौर शहीद शिरोमणी गुरू अर्जुनदेव जी के बलिदान दिवस परशहर के सेवाभावी चड्डा परिवार द्वारा गुरूवार को प्रात: 10.30 बजे से दक्षिणेश्वरी काली मंदिर परिसर सतरस्ता पर छबील सेवा की जाएगी। चड्डा परिवार की तीसरी पीढ़ी के अर्कजीत सिंह चड्डा ने बताया कि उनके दादा और पिता के द्वारा 23 वर्ष पूर्व यह परंपरा प्रारंभ की गई थी। लगातार तीन पीढियों से यह सेवा कार्य श्रद्धाभाव के साथ निरंतर जारी है। उल्लेखनीय है कि चड्डा परिवार के स्व. राजपाल चड्डा के पिताश्री स्व.जोगेंदर सिंह चड्डा द्वारा हर वर्ष सतरस्ते पर आने जाने वाले श्रद्धालुओं को शीतल शरबत का वितरण किया जाता रहा है। अब इस परंपरा को तीसरी पीढ़ी के अर्कजीत सिंह चड्डा द्वारा जारी रखी जाएगी। छबील सेवा के अंतर्गत इस भीषण गर्मी में राहगीरों को शीतल शरबत का वितरण किया जाएगा। अर्कजीत सिंह चड्डा ने बताया कि उनके दादा और पिता ने उन्हें बताया था कि अमृतसर गोल्डन टेंपल के मुख्य नक्स कार पंचम गुरु ही थे और उनको मुसलमानों ने जलते तेल की कढ़ाई में डाल दिया था गर्म तवे पर रखा गया और भी भयानक यातना दी गई फिर भी उन्होंने धर्म नही छोडा और अपना बलिदान दे दिया ऐसे गुरु क आज बलिदान दिवस है उनको शतशत नमन।

# मटमेला पानी पीने को मजबूर हो रहे नागरिक, नपा नहीं दे रही ध्यान

## जल प्रदाय में हो रही लापरवाही, नल से निकल रहा गंदा पानी

नर्मदापुरम (निप्र)। नपा द्वारा जो जल प्रदाय किया जा रहा है उसमें गंदा पानी आ रहा है। इसकी मुख्य वजह यह है कि नपा की पाइप लाइन ही सही नहीं है। जिससे आए दिन लाइन खोदी जाती है। उस लाइन से गंदा पानी पाइपों में प्रवेश कर जाता है वही पानी नल से जल प्रदाय शुरू होता है उस समय घरों तक पहुंच जाता है। कोठीबाजार के अनेक लोगों से मिल रही जानकारी के अनुसार उनके घरों में होने वाले जल प्रदाय के समय नलों से गंदा पानी आ रहा है। कम समय के लिए नल चल रहे हैं। जल्द ही नल बंद हो जाते हैं। इस संबंध में लोगों का कहना है कि गर्मी के दिनों में एक टाइम जल प्रदाय होने पर यह माना जा रहा था कि जल स्तर नीचे चले जाने के कारण जल प्रदाय करने में नपा के सामने परेशानी हो रही है। लेकिन अब तो बारिश होने लगी है गई। जल स्तर भी बड़ता जा रहा है। अब तो दोनों टाइम पेयजल दिया जाए कम से कम एक टाइम तो ऐसा जल प्रदाय हो जिससे कि लोगों की जरूरत के हिसाब से पानी मिल सके। कोठीबाजार सदर बाजार जैसे मोहल्ले में पानी का संकट बीते दो माह तीन से बना हुआ है। लोग जगह जगह से पानी के प्रबंध करने को मजबूर हो रहे हैं। नपा के द्वारा जब जलावर्धन योजना और अमृत योजना के तहत घर घर नर्मदा जल पहुंचाने की पहल की जाती है लेकिन यह पहल कोई काम नहीं आ रही है। नपा के ट्यूबवेल के द्वारा पानी की टंकी में इतना पानी भरा जाता था। उसके बाद शहर में वितरण होता था तब पेय जल संकट इतना नहीं होता था। जितना दो योजना के तहत करोड़ों रुपए खर्च करने के बाद भी लोगों को पानी का संकट झेलना पड़ रहा है। इसमें जल प्रदाय करने वालों की लापरवाही सामने आ रही है। क्योंकि शहर के करीब 40 प्रतिशत क्षेत्र में लोगों को पानी के लिए परेशान होना पड़ रहा है।

# पैक्सों में वसूली, सदस्यता एवं खाद वितरण अभियान को मिली गति

### कलेक्टर ने दिए शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने के निर्देश

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा द्वारा जिले की 99 प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पैक्स) में चालू वर्ष में वितरित अल्पकालीन

ऋण की शत-प्रतिशत वसूली का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। वर्तमान में जिले में चालू ऋणों की 73.5 प्रतिशत वसूली की जा चुकी है। कलेक्टर श्री मिश्रा ने सभी शाखा प्रबंधकों एवं समिति प्रबंधकों को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप शत-प्रतिशत वसूली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। सहकारिता विभाग एवं बैंक के अधिकारियों द्वारा वसूली कार्य की निरंतर समीक्षा की जा रही है तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जा रहे हैं। कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक ने लक्ष्य पूर्ति में लापरवाही बरतने वाले बैंक एवं समिति कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई किए जाने के निर्देश भी दिए हैं। कृषकों को सहकारी व्यवस्था से जोड़ने एवं समितियों का आधार मजबूत करने के उद्देश्य से जिले की पैक्सों में सदस्यता अभियान भी चलाया जा रहा है। अभियान के तहत नए कृषकों को समिति का सदस्य बनाया जा रहा है, जिससे उन्हें किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) जैसी सुविधाओं का लाभ मिल सके।

# इटारसी में आगामी त्योहारों को लेकर शांति समिति की बैठक संपन्न

नर्मदापुरम (निप्र)। आगामी त्योहारों के शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण आयोजन को लेकर इटारसी में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न समुदायों के प्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने सहभागिता करते हुए त्योहारों के दौरान आवश्यक व्यवस्थाओं एवं सुरक्षा संबंधी विषयों पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में मुस्लिम समाज द्वारा रखी गई विभिन्न मांगों पर विचार-विमर्श कर आवश्यक निर्णय लिए गए। इस दौरान ताजियों की ऊंचाई एवं अखाड़ों के आयोजन से संबंधित दिशा-निर्देशों पर अधिकारियों ने स्पष्ट जानकारी प्रदान की। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था, जुलूस मार्ग निर्धारण तथा ताजियों की निर्धारित मानक ऊंचाई का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

# सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नर्मदापुरम सरिता मालवीय ने वार्डों में पहुंचकर किया मतदाताओं का भौतिक सत्यापन

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सोमेश मिश्रा के निर्देशन में स्थानीय निर्वाचन हेतु निर्वाचक नामावलियों के संक्षिप्त पुनरीक्षण का विशेष अभियान जिले में निरंतर संचालित किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत मतदाता सूची में नए नाम जोड़ने, मृत अथवा दोहरी प्रविष्टि वाले मतदाताओं के नाम अपमार्जित करने तथा त्रुटियों के सुधार की कार्यवाही युद्धस्तर पर की जा रही है। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा प्रदाय जांच सूचियों के आधार पर प्राधिकृत अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा घर-घर जाकर मतदाताओं का सघन भौतिक सत्यापन किया जा रहा है। इसी क्रम में कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देश पर तहसीलदार एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी श्रीमती सरिता मालवीय ने नगरपालिका क्षेत्र नर्मदापुरम के वार्ड क्रमांक 1, 5, 6, 10 एवं 23 में पहुंचकर प्राधिकृत अधिकारियों की टीम के साथ चल रही भौतिक सत्यापन कार्यवाही का औचक निरीक्षण किया।

# प्री मानसून की बारिश से हो गए सड़क किनारे गड्ढे, वाहन पलटने की बनने लगी आशंका

## सड़कों के साइड सोल्डर में कम डाली मिट्टी और मुरम, निकली हुई गिट्टियों पर वाहनों के फिसलने का खतरा

नर्मदापुरम (निप्र)। प्रीमानसून की बारिश से ही सड़कों और उनके दोनों ओर बने हुए साइड सोल्डर खतरनाक हो गए हैं। ग्रामीण इलाकों के अलावा राष्ट्रीय राजमार्ग 69 के साथ ही शहर के आंतरिक मार्ग के साइड सोल्डर भी बेहद खतरनाक स्थिति में आ चुके हैं। नर्मदा ब्रिज से लेकर नर्मदापुरम तक के क्षेत्र में ही कई जगह की मिट्टी बह गई है गड्ढे हो चुके हैं। इनके कारण हादसों की आशंका बनी रहती है। लोक निर्माण विभाग द्वारा भी इन्हें ठीक नहीं किया जा रहा है। केंद्र शासन की सड़कें हो या प्रदेश सरकार की सीमेंट की सड़कें हो या डामर रोड इन सड़कों के बाजू में साइड सोल्डर बनाए जाते हैं। विभागीय उदासीनता के चलते साइड सोल्डर पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इन्हें ठीक करने के लिए कई बार मुरम की जगह मिट्टी डालकर काम चलाया जाता है। इससे बरसात में वाहन साइड देते समय या तो फंस जाते हैं या फिर दुर्घटना हो जाती है। गर्मी के मौसम में सड़कों की मरम्मत करने के दौरान लोक निर्माण विभाग, आरईएस, मनरेगा और अन्य सड़क निर्माण एजेंसियों को सड़क के बाजू में साइड सोल्डर अच्छे से बनाना होता है। ये एजेंसियां मुरम कम और मिट्टी का ज्यादा उपयोग करते हैं जो बरसात में कई वाहनों के लिए मुसीबत का कारण बनती है।

### बह जाती है मिट्टी

चाहे नेशनल हाईवे की सड़क हो, राज्यमार्ग हो, ग्रामीण क्षेत्रों की प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, ग्रामीण सड़क योजना की सड़कें हों, प्राय: सभी सड़कों के साइड सोल्डर जर्जर हो रहे हैं। इन पर मिट्टी डाल देने से वर्षा होने पर अनेक जगह की सड़कों के बाजू में मिट्टी बह जाती है। और दलदल हो जाती है। यही मिट्टी सड़क पर आ जाती है, जिससे सड़कों पर आना जाना मुश्किल होता है।

फाईल फोटो

### डलनी चाहिए मुरम

शासकीय नियमों के अंतर्गत सड़कों के बाजू में साइड सोल्डर पर मुरम डाली जानी चाहिए। जिससे की दो बड़े वाहन आमने-सामने आने पर साइड देते समय सड़क के नीचे उतरें तो उनके पहिए मिट्टी में न धंसे, लेकिन कहीं कहीं भसुआ डालकर साइड सोल्डर बना दिए जाते हैं जहां पर वाहन चालकों को परेशान होना पड़ता है।

### जिम्मेदार नहीं देते हैं ध्यान

नागरिक कन्हैया गौर व सुरेंद्र गौर, ने बताया सड़क की साइड में मुरम व गिट्टी से भरी जानी चाहिए लेकिन निर्माण एजेंसियों ने मिट्टी से भरकर बेगार टाल दिया। सीसी रोड निर्माण के दौरान जिम्मेदारों ने कहीं भी निगरानी नहीं की जिससे यह स्थिति निर्मित हो रही है। अभी भी नगरपालिका के जिम्मेदार ध्यान नहीं दे रहे हैं।

### रात में ज्यादा खतरा

जो मार्ग ज्यादा व्यस्त रहते हैं जिसमें मुख्य रूप से हाईवे के साइड में जो खस्ताहाल स्थिति है उसके कारण रात के समय वाहनों के साइड देने पर खतरे की आशंका ज्यादा बनी रहती है। स्पष्ट दिखाई नहीं देने पर सड़क के नीचे वाहन उतारने में वाहन के पहिए फंस जाते हैं। जिससे दुर्घटनाएं होती हैं।

### हाईवे भी सुरक्षित नहीं

साइड सोल्डर के मामले में नेशनल हाईवे भी सुरक्षित नहीं है। भोपाल तिराहे से लेकर आदमगढ़ रेलवे फाटक तक ही नहीं नर्मदा पुल से लेकर रसूलिया के डबल फाटक तक कई स्थानों पर सड़कों के साइड में पानी भरा हुआ है। नीचे काली मिट्टी है। इसमें वाहन फंस जाते हैं। यदि साइड देने में वाहन बचने की कोशिश करते हैं तो कई बार टक्कर भी हो जाती है।

# एसडीएम विजय राय ने वार्डों में पहुंचकर किया मतदाताओं का भौतिक सत्यापन

### शुद्ध एवं पारदर्शी मतदाता सूची तैयार करने विशेष अभियान जारी

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सोमेश मिश्रा के निर्देशन में स्थानीय निर्वाचन हेतु निर्वाचक नामावलियों के संक्षिप्त पुनरीक्षण का कार्य जिले में सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत मतदाता सूची में नाम जोड़ने, मृत अथवा दोहरी प्रविष्टि वाले मतदाताओं के नाम अपमार्जित करने तथा त्रुटियों के सुधार की कार्यवाही युद्धस्तर पर की जा रही है।राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा प्रदाय जांच सूचियों के आधार पर प्राधिकृत अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा घर-घर जाकर मतदाताओं का सघन भौतिक सत्यापन किया जा रहा है। इसी क्रम में कलेक्टर महोदय के निर्देशानुसार सिवनी मालवा क्षेत्र में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी विजय राय ने वार्ड क्रमांक-9 में पहुंचकर प्राधिकृत अधिकारियों की टीम के साथ चल रही सत्यापन कार्यवाही का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान श्री राय ने मतदाताओं एवं नागरिकों से संवाद करते हुए अपील की कि यदि किसी मृत अथवा अपात्र व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में दर्ज है तो इसकी जानकारी तत्काल संबंधित अधिकारी-कर्मचारी को दें। उन्होंने बताया कि नागरिक ERMS पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आपत्ति प्रपत्र भी प्रस्तुत कर सकते हैं, जिसके आधार पर प्राधिकृत अधिकारी द्वारा सूक्ष्म जांच कर नियमानुसार नाम हटाने की कार्यवाही की जाएगी।

उन्होंने कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सभी प्राधिकृत अधिकारी जांच सूची के साथ घर-घर पहुंचकर निष्पक्ष रूप से सत्यापन कार्य कर रहे हैं। अभियान का उद्देश्य पात्र मतदाताओं को सूची में शामिल करना तथा अपात्र प्रविष्टियों को हटाकर एक स्वच्छ एवं विश्वसनीय मतदाता सूची तैयार करना है। मौका निरीक्षण के दौरान तहसील सिवनी मालवा के निर्वाचन सुपरवाइजर पंकज परसाई, प्राधिकृत अधिकारी तथा नगर पालिका परिषद सिवनी मालवा के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

# रेत के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर प्रशासन की सख्त कार्रवाई

### अवैध उत्खनन में संलिप्त ट्रैक्टर-ट्रॉली जप्त, अस्थायी मार्ग भी किए जा रहे नष्ट

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिले में रेत के अवैध उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में बुधवार को खनिज विभाग द्वारा ग्राम होरियापीपर, तहसील नर्मदापुरम क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए रेत का अवैध उत्खनन कर रहे एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को जप्त किया गया। जप्त वाहन को नियमानुसार आरटीओ परिसर में सुरक्षार्थ खड़ा कराया गया है। संबंधित प्रकरण में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। खनिज विभाग द्वारा अवैध उत्खनन पर प्रभावी नियंत्रण के लिए नदियों में रेत परिवहन हेतु बनाए गए संभावित अस्थायी मार्गों को भी चिन्हित कर नष्ट किया जा रहा है, जिससे अवैध गतिविधियों पर सख्ती से रोक लगाई जा सके। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध अभियान निरंतर जारी रहेगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

# मछली मारने पर लग गई रोक, मत्स्य विभाग करेगा कार्रवाई

## नदियों एवं जलाशयों में चुपचाप पकड़ी जाती हैं मछलियां

नर्मदापुरम (निप्र)। हर वर्ष की तरह अब 16 अगस्त तक मछलियों के प्रजनन काल में मत्स्याखेट पर प्रतिबंध लगा दिया है। वैसे भी मत्स्य विभाग के पास स्टॉफ कम होता जा रहा है। कम कर्मचारी हैं मछलियों के शिकार करने वालों को कैसे पकड़ें। पाबंदी के बाद भी मछली मारने वाले चोरी छिपे मछली मारते रहते हैं। क्योंकि उनके पास एक बहाना रहता है कि मछली मारने पर रोक लग गई है। जिससे मछली बेचने वाले रेट बढ़ाकर कमाई करने में जुट जाते हैं। मत्स्य विभाग अब आकस्मिक रूप से मछली मारने वालों पर कार्रवाई करेगाा। इसको लेकर विभाग के द्वारा तैयारी की जा रही है। विभाग के पास अमले की कमी है। पुलिस वाले भी उन्हें ज्यादा सहयोग नहीं कर पाते हैं क्योंकि पुलिस के पास स्वयं ही अनेक कार्य हैं। इसलिए मछली विभाग भी पूरी तरह से कार्य करने में असहाह रहता है। जिसका फायदा मछली मारने वाले उठाते हैं। बिना किसी सुरक्षा के मछली मारने वालों को रोकना भी कठिन कार्य है।

### दो माह रहता हैं प्रजनन काल

मत्स्य विभाग के अनुसार 15 जून से लेकर 16 अगस्त तक मछली अंडे देने के साथ ही प्रजनन काल में रहती है। इस कारण सभी जलाशयों में मछली मारने पर रोक लगाई जाती है। अन्य स्थानों पर हो सकता है।

### आम लोगों को भी करना चाहिए सहयोग

नर्मदा को प्रदुषण से मुक्त करने में अहम भूमिका निभाने वाली मछलियों का शिकार करने वालों को इन दो माह तक विशेष रूप से रोकने में आम लोगों को भी सहयोग करना चाहिए। नपा ने पूर्व में नर्मदा तट पर प्रदूषण को मुक्त करने के लिए घाटों पर मछलियों का शिकार करने पर रोक लगा दी थी। यदि कोई मछली मारते हुए घाट या उसके आसपास दिखता तो उस पर कार्रवाई की जाती थी। लेकिन कुछ माहों से शिकार करने वालों के हौसले बुलंद होते जा रहे

हैं।

### की जाती है घर पहुंच सेवा

सूत्रों से पता चलता है कि चुपचाप मछली मारने वालों के कुछ एजेंट भी हैं, जो सुबह के समय मछली पकड़ने वालों के यहां पहुंचकर मछली लेकर भोपाल सहित अन्य स्थानों की ओर मछलियां पहुंचाने के लिए चले जाते हैं। इसमें पूरा काकस जुडा हुआ है जिसे मछली माफिया भी कहा जा सकता है।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिटंर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com